हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 219 बेमेतरा, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

किरेन रिजिजू ने दिए संकेत-कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप

विधानसभा चुनावों के बीच पास होगा महिला आरक्षण बिल

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद से इस वक्त बड़ी खबर सामने आ रही है। गुरुवार 2 अप्रैल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने वाला बजट सत्र खत्म नहीं हुआ है। सरकार ने इसे आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब राज्यसभा और लोकसभा में सभी सांसद एक छोटे से ब्रेक के बाद 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर से बैठेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार का पूरा फोकस अब 'महिला आरक्षण कानून' को जल्द से जल्द जमीन पर उतारने पर है। इसके लिए लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 816 करने की तैयारी है। इसी से जुड़े बिल और अन्य जरूरी संविधान संशोधनों को पास कराने के लिए संसद को दोबारा बुलाया जा रहा है। यह सत्र 16 अप्रैल से लेकर 18 अप्रैल तक चलेगा। गुरुवार को जब सदन की कार्यवाही चल रही थी, तब राज्यसभा के उप-सभापति हरिवंश ने सदन को 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की। पहले के तय कार्यक्रम के मुताबिक, 28 जनवरी से शुरू हुआ बजट सत्र आज यानी 2 अप्रैल को ही समाप्त होने वाला था। लेकिन सरकार के एजेंडे में कुछ बड़ा और जरूरी काम बाकी है, जिसके चलते इस शेड्यूल को बदला गया है। गौरतलब है कि वर्ष 2023 में संसद ने भारी बहुमत से महिला आरक्षण बिल को पास किया था। लेकिन उस कानून में एक पेंच फंसा था। नियम के मुताबिक, देश में अगली जनगणना और परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू हो सकता था। इस प्रक्रिया में लंबा वक्त लग सकता है और मुमकिन था कि

2029 के लोकसभा चुनाव तक भी यह लागू न हो पाए। अब सरकार इसी अड़चन को दूर करना चाहती है। सूत्रों की मानें तो सरकार एक संशोधन बिल ला रही है, जिससे नई जनगणना का इंतजार किए बिना, 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। मोदी सरकार चाहती है कि महिलाओं को जल्द उनका हक मिले। इस बजट विशेष सत्र में अगर यह बिल आता है, तो भारतीय संसद में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। चर्चा है कि इस संशोधन के जरिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर 816 किया जा सकता है। यानी सीटों की संख्या में सीधे 50 फीसदी की बढ़ोतरी। अगर ऐसा होता है, तो बढ़ी हुई सीटों में से एक-तिहाई यानी लगभग 273 सीटें सीधे महिलाओं के लिए रिजर्व हो जाएंगी। किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में कहा कि हमारे पास कुछ विधेयक हैं, जिन्हें हमने विपक्षी दलों के सदस्यों के साथ साझा किया है। अगले 2-3 हफ्तों में एक महत्वपूर्ण विधेयक पेश किया जाएगा। इसलिए सरकार सदन को स्थगित करने का प्रस्ताव रखती है। हम बहुत जल्द निश्चित अवधि के लिए मिलेंगे। दरअसल, महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार ने पहले ही संकेत दे दिए थे। जिसके चलते उन्होंने 2029 के आम चुनाव में इसे लागू करने की मंशा जताई थी।

सत्ता में आए तो रद्द होगा सीएपीएफ कानून, बोले राहुल गांधी

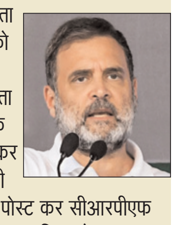

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि अगर आगामी आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आती है, तो सीएपीएफ विधेयक 2026 को रद्द कर दिया जाएगा। राहुल गांधी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट अजय मलिक से मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अजय मलिक ने नक्सली मुठभेड़ के दौरान आईईडी धमाके में अपना एक पैर खो दिया था देश की रक्षा में सब कुछ दांव पर लगा दिया। राहुल गांधी ने कहा, ''15 साल से अधिक की निष्ठापूर्ण सेवा के बावजूद - प्रमोशन नहीं, अपनी ही फोर्स को लीड करने का अधिकार नहीं।

नहीं कम होगा नीतीश कुमार का रुतबा!

शपथ से पहले मिला जेड पल्स सुरक्षा का कवच.....

पटना/ एजेंसी

बिहार की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच नीतीश कुमार की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। हाल ही में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए नीतीश कुमार को भविष्य में भी जेड पल्स श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी। माना जा रहा है कि वे 10 अप्रैल को शपथ ले सकते हैं। गृह विभाग की विशेष शाखा ने इस संबंध में पुलिस महानिदेशक और डीजी (स्पेशल ब्रांच) को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं, ताकि उनकी सुरक्षा में किसी तरह की कमी न रहे। विभाग

का कहना है कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे कार्यकाल और वर्तमान राजनीतिक स्थिति को देखते हुए उन्हें उच्च स्तर की सुरक्षा देना जरूरी है। यह कानून संवेदनशील व्यक्तियों को उनकी स्थिति के अनुसार सुरक्षा कवर प्रदान करने की अनुमति देता है।

राघव चड्ढा पर आप ने लिया एक्शन

राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाया,बोलने पर भी लगी रोक

नई दिल्ली/ एजेंसी

आम आदमी पार्टी ने बड़ा संगठनात्मक बदलाव करते हुए राघव चड्ढा को राज्यसभा में उप नेता के पद से हटा दिया है। उनकी जगह अब अशोक मित्तल को उप नेता नियुक्त किया गया है। पार्टी ने इस संबंध में राज्यसभा सचिवालय को आधिकारिक पत्र भी सौंप दिया है। इसके साथ ही ,क्क ने सचिवालय को यह भी सूचित किया है कि राघव चड्ढा को संसद में बोलने के लिए समय आवंटित न किया जाए। इस फैसले को पार्टी के अंदरूनी

रणनीतिक बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है, हालांकि इसके पीछे के कारणों को लेकर अभी तक आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। डॉ. अशोक मित्तल पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं और देश के प्रमुख शिक्षाविदों में उनकी पहचान है। वे लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर भी हैं, जो भारत की बड़ी निजी यूनिवर्सिटियों में गिनी जाती है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के चलते उन्हें एक प्रभावशाली अकादमिक लीडर माना जाता है, और अब वे राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। राघव चड्ढा ने हाल के दिनों में संसद में आम लोगों से जुड़े कई अहम मुद्दे उठाए हैं। 30 मार्च को राज्यसभा में उन्होंने पितृत्व अवकाशको कानूनी अधिकार का दर्जा देने की मांग की।

हनी सिंह-बादशाह को बड़ा झटका

दिल्ली हाईकोर्ट ने वॉल्यूम1 गाना को बताया अश्लील

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को सिंगर-रैपर हनी सिंह और बादशाह को बड़ा झटका देते हुए उनके पुराने विवादित गाने 'माफिया मुंडीर' वॉल्यूम 1 को सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म से तुरंत हटाने का आदेश दिया है। अदालत ने इस गाने को बेहद अश्लील और अभद्र बताते हुए कहा कि यह महिलाओं के प्रति अपमानजनक है और किसी भी सभ्य समाज में इस तरह के कंटेंट को स्वीकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस पुरुषेंद्र कौरव की बेंच ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गाने से जुड़े सभी वीडियो, ऑडियो, रीमिक्स और अन्य

वर्जन को सोशल मीडिया, म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से तत्काल हटाया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि गाने का शीर्षक इतना आपत्तिजनक है कि उसे आधिकारिक आदेश में भी दर्ज करना मुश्किल है।

जग्गी हत्याकांड में आया फैसला

अमित जोगी कोर्ट से झटका-तीन सप्ताह में करना होगा सरेंडर

बिलासपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को बड़ा झटका लगा है। जग्गी हत्याकांड मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए अमित जोगी को तीन सप्ताह के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है। यह फैसला हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने सुनाया है। अदालत के आदेश के मुताबिक जोगी को तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करना होगा। प्रदेश में वर्ष 2003 में हुए बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने अमित जोगी को दोषी करार दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने उन्हें तीन हफ्ते के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के चीफजस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविंद वर्मा की स्पेशल डिवीजन बेंच ने यह अहम फैसला सुनाया है। इससे पहले कोर्ट ने सबूतों के अभाव में अमित जोगी को बरी कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस पूरे मामले को हाईकोर्ट में रीओपन किया गया। मामले की जांच करने वाली एजेंसी सीबीआई ने कोर्ट में 11 हजार पन्नों की रिपोर्ट पेश की थी। इसी विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर अमित जोगी पर भी चार्ज लगाए गए थे और आज अंतिम सुनवाई के बाद उन्हें दोषी माना गया है। अब उन्हें तीन हफ्ते के अंदर में सरेंडर करना होगा, जिसके बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मामले की सुनवाई के दौरान स्व राम अवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने कोर्ट को बताया कि

उनके पिता की हत्या एक राजनीतिक साजिश थी। सीबीआई ने 11 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की थी, जिसमें हत्या से जुड़े पर्याप्त सबूत शामिल हैं। इधर हाईकोर्ट के फैसले पर अमित जोगी ने कहा कि कोर्ट ने बिना पूरी सुनवाई का मौका दिए उन्हें दोषी करार दिया, जो उनके लिए अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है। बता दें, कि पूर्व मुख्यमंत्री अजित जोगी के बेटे अमित जोगी 2003 के राम अवतार जग्गी हत्याकांड में आरोपी रहे हैं। 2007 में ट्रायल कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया था, लेकिन सीबीआई और शिकायतकर्ता ने इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी। नवंबर 2025 में, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई की अपील को तकनीकी आधार पर खारिज करने के बाद पुनः बहाल कर दिया था। एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की 4 जून 2003 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कुल 31 अभियुक्त बनाए गए थे, जिनमें से बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बने थे। अमित जोगी को छोड़कर बाकी 28 लोगों को कोर्ट से सजा मिली थी। मामले में 31 मई 2007 को रायपुर की विशेष अदालत ने सबूतों के अभाव में अमित जोगी को बरी कर दिया था, लेकिन सीबीआई और शिकायतकर्ता ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। रामअवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने अमित जोगी को बरी करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है, जिस पर अमित के पक्ष में स्टे लगा था।

बाद में सुप्रीम कोर्ट ने केस को हाईकोर्ट भेज दिया। कारोबारी रामावतार जग्गी देश के बड़े नेताओं में गिने जाते थे। वे पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल के बेहद करीबी थे। जब विद्याचरण कांग्रेस छोड़कर एनसीपी में चले गये, तो जग्गी भी उनके साथ गए। इसके बाद शुक्ल ने जग्गी को छत्तीसगढ़ में एनसीपी का कोषाध्यक्ष बनाया था। जग्गी हत्याकांड में अभय गोयल, याहया ढेबर, वीके पांडे, फिरोज सिद्दीकी, राकेश चंद्र त्रिवेदी, अवनीश सिंह लल्लन, सूर्यकांत तिवारी, अमरीक सिंह गिल, चिमन सिंह, सुनील गुप्ता, राजू भदौरिया, अनिल पचौरी, रविंद्र सिंह, रवि सिंह, लल्ला भदौरिया, धर्मेंद्र, सत्येंद्र सिंह, शिवेंद्र सिंह परिहार, विनोद सिंह राठौर, संजय सिंह कुशवाहा।

संक्षिप्त समाचार

पहली बार घरेलू उड़ानों के लिए जेट ईंधन की कीमत 2 लाख के पार

नई दिल्ली। देश में हवाई यात्रियों को जल्द ही महंगे किराए का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, जेट फ्यूल की कीमतों में पिछले एक महीने में दोगुने से अधिक की बढ़ोतरी हुई है, जिससे एयरलाइंस की लागत में भारी इजाफा हुआ है। तेल कंपनियों द्वारा जारी अप्रैल माह के नए रेट के अनुसार, घरेलू उड़ानों के लिए जेट ईंधन की कीमतों में करीब 115 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए लगभग 107 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रुपये में लगातार गिरावट ने भी एयरलाइंस पर अतिरिक्त दबाव डाला है। नई दरों के बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जेट फ्यूल की कीमत बढ़कर 2,07,341 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, जबकि पिछले महीने यह 96,638 रुपये प्रति किलोलीटर थी। यानी इसमें लगभग 114 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अन्य महानगरों में भी कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। मुंबई में जेट फ्यूल की कीमत 90,451 रुपये से बढ़कर 1,94,968 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, जो करीब 115 प्रतिशत की वृद्धि है।

अवैध हथियारों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से एक संभावित आपराधिक घटना को समय रहते टाल दिया गया। जानकारी के अनुसार, हाल के दिनों में क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए स्पेशल स्टाफ को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में एसीपी ऑप्स पवन कुमार की निगरानी में इंस्पेक्टर जितेंद्र मलिक के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम में एसआई अमन, हेड कांस्टेबल विनीत, विशाल, नरेश और कांस्टेबल सनोज शामिल थे, जो लगातार जमीनी और डिजिटल स्तर पर निगरानी कर रहे थे। पिछले 24 घंटों के दौरान सोशल मीडिया मॉनिटरिंग से टीम को अहम इनपुट मिला कि कुछ संदिग्ध युवक अवैध हथियारों के साथ इलाके में घूम रहे हैं।

कश्मीर के गांदरबल में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

गांदरबल । कश्मीर के गांदरबल जिले के अराहमा इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच जारी मुठभेड़ दूसरे दिन भी जारी है। इस ऑपरेशन में अब तक एक आतंकवादी को मार गिराया गया है, जबकि क्षेत्र में अभी भी 1-2 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। भारतीय सेना के अनुसार, 31 मार्च की रात रुक-रुक कर हुई फायरिंग के बीच सुरक्षाबलों ने अपनी घेराबंदी को सामरिक रूप से फिर से मजबूत किया। आतंकियों की ओर से हुई गोलीबारी का प्रभावी जवाब दिया गया, जिसमें एक आतंकवादी ढेर हो गया। यह संयुक्त अभियान भारतीय सेना की 2 असम रेजिमेंट, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ द्वारा चलाया जा रहा है।

ककनार घाटी के नीचे थमा लाल आतंक का शोर, अब गूंजती है बस की हॉर्न

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर की भौगोलिक विषमताओं और कठिन परिस्थितियों के बीच विकास की एक ऐसी नई इबारत लिखी गई है, जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक नामुमकिन थी। ककनार घाटी के नीचे बसे सुदूर गांव कुधूर, धरमाबेड़ा, चंदेला, ककनार और पालम जो कभी वामपंथी आतंक के गढ़ माने जाते थे, आज मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा के माध्यम से मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। इन गांवों के निवासियों के लिए पक्की सड़क का निर्माण एक ऐसा सपना था, जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था, क्योंकि घाटी की दुर्गम ढलान और माओवाद के साये ने विकास के हर रास्ते को अवरुद्ध कर रखा था। लेकिन आज उन्हीं संकरी पगडंडियों और चुनौतीपूर्ण रास्तों पर बनी नई सड़क में बस का दौड़ना बस्तर की बदलती तस्वीर का सबसे सशक्त प्रमाण है। ज्ञात हो कि बस्तर जिले में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना की शुरूआत बीते 04 अक्टूबर 2025 को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा की गई थी। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के माध्यम से जिले के चार चयनित मार्गों पर बस सेवा संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत शुरू हुई यह बस सेवा केवल एक वाहन नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की एक कड़ी है। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार रायपुर द्वारा स्वीकृत समय-सारणी के अनुसार यह बस प्रतिदिन कोण्डागांव जिले के मर्दापाल से अपनी यात्रा शुरू करती है और ककनार घाटी के नीचे बसे उन गांवों को जोड़ती है जहाँ कभी पैदल चलना भी जोखिम भरा था। घाटी के इन दुर्गम अंचलों से होते हुए बस धरमाबेड़ा और ककनार जैसे पड़ावों को पार कर संभाग मुख्यालय जगदलपुर पहुँचती है। इससे उन लोगों का सफर अब सुगम हो गया है जिन्होंने दशकों तक केवल सड़क और बस का इंतजार किया था। वामपंथी समस्या के कमजोर पड़ने और सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के चलते अब इन संवेदनशील इलाकों में सड़कों का निर्माण संभव हो पाया है। पक्की सड़कों के इस जाल ने न केवल परिवहन को आसान बनाया है, बल्कि ककनार घाटी के नीचे बसे ग्रामीणों के मन से अलगाव का डर भी खत्म कर दिया है। अब शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के लिए ग्रामीणों को मीलों का सफर तय नहीं करना पड़ता। यह निरंतर बस सेवा इस बात का प्रतीक है कि बस्तर का वह हिस्सा जो कभी अंधेरे में खोया हुआ माना जाता था, अब पूरी रफ्तार के साथ प्रगति की राह पर अग्रसर है। घाटी की ऊंचाइयों से उतरकर यह बस आज हर ग्रामीण के घर तक शासन की योजनाओं और खुशहाली का संदेश पहुँचा रही है। इस बारे में चंदेला के सरपंच तुलाराम नाग कहते हैं कि करीब दो साल पहले तक इस ईलाके में माओवादी समस्या के कारण विकास थम सी गई थी लेकिन आज सड़क बन जाने के साथ ही विकास को एक नई दिशा मिल चुकी है। इस ईलाके में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं के साथ ही उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न एवं अन्य जरूरी सामग्री सुलभ हो रही है वहीं समीपस्थ ग्राम ककनार में साप्ताहिक बाजार की रौनक देखते ही बनती है। क्षेत्र के ककनार सरपंच बलीराम बघेल बताते हैं कि पहले उन्हे अपने तहसील मुख्यालय लोहण्डीगुड़ा और जिला मुख्यालय तक जाने मे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब सड़क के बन जाने से बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है।

चालकों की लापरवाही के कारण सड़क पर गिर रहे डोलोमाइट पत्थरों से बढ़ी परेशानी: ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सरिया ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी.

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के सरिया तहसील अंतर्गत साल्हेओना-कटंगपाली मार्ग पर इन दिनों सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति बनी हुई है। खदानों से क्रेशर तक डोलोमाइट पत्थर ले जाने वाले ट्रैक्टर और अन्य वाहनों से रास्ते में पत्थर गिर रहे हैं, जिससे आम राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर बिखरे पत्थरों के कारण दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है, लेकिन बार-बार शिकायतों और समाचार प्रकाशन के बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसी समस्या को लेकर गुरुवार 2 अप्रैल को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सरिया ने सक्रियता दिखाते हुए थाना प्रभारी सरिया को ज्ञापन सौंपा। ब्लॉक अध्यक्ष उग्रसेन साहू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता थाना पहुंचे और सड़क पर गिर रहे पत्थरों से हो रही परेशानी से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यह लापरवाही सीधे तौर पर लोगों की जान से खिलवाड़ है और यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन और चक्का जाम किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि खदानों से क्रेशर तक सामग्री ले जाने वाले वाहन चालक नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। बिना ढंके और ओवरलोड वाहन सड़क पर दौड़ रहे हैं, जिससे डोलोमाइट पत्थर गिरते रहते हैं। वहीं क्रेशर संचालकों की उदासीनता भी इस समस्या को और बढ़ा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को खतरा बना रहता है, कई बार छोटे-मोटे हादसे भी हो चुके हैं। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सरिया के अध्यक्ष उग्रसेन साहू के साथ पार्षद रूप डनसेना, महामंत्री हिमांशु पाणिग्राही, किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हलधर राव जाधव, एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष निखिल डनसेना, उपेंद्र पातरे, मंडल अध्यक्ष सरिया रूप पटेल, खेमराज पटेल, जय प्रकाश साहू, अग्नूराम पटेल और देवनारायण पटेल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

मेहनत का जादू: टिंकल चौहान ने 95.42% के साथ टॉप-10 में बनाई जगह

सारंगढ़/मूक पत्रिका

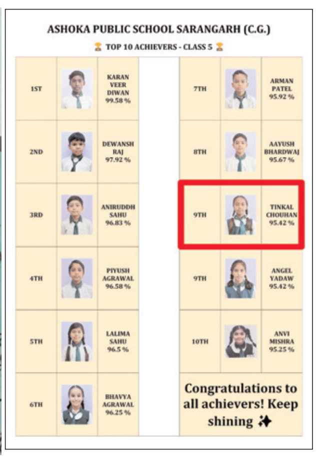

अशोका पब्लिक स्कूल सारंगढ़ में पढ़ने वाली होनहार छात्रा टिंकल चौहान ने कक्षा 5वीं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 95.42त्न अंक प्राप्त कर टॉप-10 सूची में 9वां स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि से न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। आज के दौर में जहां शिक्षा पूरी तरह कम्पटीशन का रूप ले चुकी है, वहां टिंकल की यह सफलता उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का जीता-जागता उदाहरण है। स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। टिंकल चौहान के पिता नरेश चौहान, जो अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के जिलाध्यक्ष हैं, उनकी इस उपलब्धि पर समाज और विभिन्न संगठनों के लोगों द्वारा लगातार बधाइयों का तांता लगा हुआ है। परिजनों ने बताया कि टिंकल शुरू से ही पढ़ाई में अव्वल रही हैं और उन्होंने इस सफलता के लिए निरंतर मेहनत की है। टिंकल की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत और समर्पण से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है।

विभिन्न कोर्स के प्रवेश परीक्षा के लिए सीजी व्यापम की वेबसाईट में ऑनलाइन आवेदन का दौर शुरू

बीफार्मेसी और डीफार्मेसी के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 6 अप्रैल

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

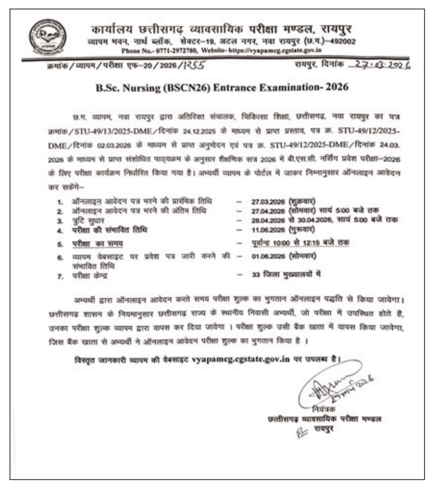
कार्यालय छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर
व्यापम भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर (छ.ग.)-492002
Phone No.- 0771-2972780, Website- https://vyapamcg.cgstate.gov.in

क्रमांक/व्यापम/परीक्षा एफ-20/2026/1255 रायपुर, दिनांक 27.03.2026

B.Sc. Nursing (BSCN26) Entrance Examination- 2026

छ.ग. व्यापम, नवा रायपुर द्वारा अतिरिक्त संचालक, चिकित्सा शिक्षा, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर का पत्र क्रमांक/STU-49/13/2025-DME/दिनांक 24.12.2025 के माध्यम से प्राप्त प्रस्ताव, पत्र क्र. STU-49/12/2025-DME/दिनांक 02.03.2026 के माध्यम से प्राप्त अनुमोदन एवं पत्र क्र. STU-49/12/2025-DME/दिनांक 24.03.2026 के माध्यम से प्राप्त संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026 में बी.एस.सी. नर्सिंग प्रवेश परीक्षा-2026 के लिए परीक्षा कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी व्यापम के पोर्टल में जाकर निम्नानुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे-

1. ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि – 27.03.2026 (शुक्रवार)
2. ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि – 27.04.2026 (सोमवार) सायं 5:00 बजे तक
3. त्रुटि सुधार – 28.04.2026 से 30.04.2026, सायं 5:00 बजे तक
4. परीक्षा की संभावित तिथि – 11.06.2026 (गुरुवार)
5. परीक्षा का समय – पूर्वान्ह 10:00 से 12:15 बजे तक
6. व्यापम वेबसाइट पर प्रवेश पत्र जारी करने की संभावित तिथि – 01.06.2026 (सोमवार)
7. परीक्षा केन्द्र – 33 जिला मुख्यालयों में

अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन करते समय परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से किया जावेगा। छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासी अभ्यर्थी, जो परीक्षा में उपस्थित होते हैं, उनका परीक्षा शुल्क व्यापम द्वारा वापस कर दिया जावेगा। परीक्षा शुल्क उसी बैंक खाता में वापस किया जावेगा, जिस बैंक खाता से अभ्यर्थी ने ऑनलाइन आवेदन परीक्षा शुल्क का भुगतान किया है।

विस्तृत जानकारी व्यापम की वेबसाइट vyapamcg.cgstate.gov.in पर उपलब्ध है।

नियंत्रक
छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल
रायपुर

युवाओं के उच्च शिक्षा के विभिन्न कोर्स के प्रवेश परीक्षा के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल की वेबसाईट व्यापम सीजी डॉट सीजी स्टेट डॉट जीओवी डॉट इन में https://vyapamcg.cgstate.gov.in/ में ऑनलाइन आवेदन का दौर थोक मात्रा में शुरू हो गया है। बीफार्मेसी और डीफार्मेसी के लिए पीपीएचटी आवेदन के अंतिम तिथि 6 अप्रैल, इसी प्रकार पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 अप्रैल, प्रीडीएलएड प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 13 अप्रैल, प्रीबीएड प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 24 अप्रैल, प्रीपॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 17 अप्रैल और बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 27 अप्रैल निश्चित है। पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग परीक्षा केंद्र रायपुर है। शेष सभी प्रवेश परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में बनाया गया है।

अब बैंक में जमा होंगे ऑनलाइन चालान, एंट्री में त्रुटि दूर करने किया गया डिजिटलीकरण

ईचालान मॉड्यूल के ओटीसी सुविधा से ईचालान पोर्टल में होंगे चालान जमा

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

संचालनालय कोष एवं लेखा छत्तीसगढ़ के दिशा निर्देश पर सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में अब बैंक में जमा करने वाले सभी भौतिक चालानो का प्रचलन समाप्त कर अब ईचालान मॉड्यूल के ओटीसी ऑनलाइन माध्यम से ही चालान जमा करने की व्यवस्था 1 अप्रैल 2026 से अनिवार्य किया गया है। सभी पक्षों के लिए उपयोगी होने से इस ओटीसी प्रक्रिया की सुविधा गत वर्ष से लागू है। ओटीसी सुविधा अंतर्गत ईचालान पोर्टल पर चालान जमा करते समय चालान का डाटा बैंक को ऑनलाइन ट्रान्सफर कर दिया जाता है, जिससे बैंक स्तर पर पुनः चालान प्रविष्टि की आवश्यकता नही रहती है। बैंक काउंटर पर केवल ऑनलाइन द्वारा जनरेटेड चालान , जिसमें ट्रेज़री रिफ्रेन्स नंबर (टीआरएन) की प्रविष्टि करके राशि जमा की जाती है एवं बैंक द्वारा एमआईएस कोषालय में ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाता है। इस डिजिटलीकरण व्यवस्था को लागू करने से डाटा प्रविष्टि की त्रुटियों में कमी आयेगी तथा लेखांकन सही रूप में हो सकेगा। इस प्रक्रिया के पश्चात ईचालान पोर्टल ईचालान डॉट सीजी डॉट जीओवी डॉट इन (https://echallan.cg.gov.in/) के सर्च चालान विकल्प के माध्यम से जमाकर्ता चालान का प्रिंट ले सकता है, जो भौतिक चालान में संभव नही है।

श्रीरामलला दर्शन योजना से अयोध्या और कांशी का निशुल्क यात्रा के लिए 8 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत अयोध्या में श्रीराम और कांशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए आगामी 15 अप्रैल और 13 मई को इच्छुक 30 दर्शनार्थियों का दल रवाना होगा। जिले के ऐसे नागरिक जो इस दल में शामिल होना चाहते हैं वो ग्रामीण है तो अपने जनपद पंचायत सारंगढ़, बरमकेला, बिलाईगढ़ में और जो शहरी हैं वो अपने नगरपालिका सारंगढ़, नगर पंचायत सरसीवा, भटगांव बिलाईगढ़, पवनी, सरिया और बरमकेला में 8 अप्रैल तक जमा कर सकते हैं। इन सभी संस्थाओ द्वारा ऐसे लोगों की सूची 9 अप्रैल तक जिला पंचायत में जमा किया जाएगा।

जांच और दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने बरमकेला में 6 अप्रैल को और बिलाईगढ़ में 10 अप्रैल को होगा शिविर, आँख, कान, नाक, गला, हड्डी के डॉक्टर करेंगे जांच

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जांच और दिव्यांगता प्रमाण पत्र से वंचित दिव्यांग जनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिए आगामी 6 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला और 10 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ में जिला मेडिकल बोर्ड का शिविर होगा।

इसमें आँख, हड्डी, कान, नाक, गला, आदि के डॉक्टर मौजूद होंगे। ऐसे दिव्यांग जिनका दिव्यांग प्रमाण पत्र अब तक नहीं बन पाया है, वे बरमकेला और बिलाईगढ़ में शिविर का लाभ लेकर दिव्यांग प्रमाण पत्र बना सकते हैं। इसमें शामिल होने के लिए पासपोर्ट फोटो, आधार कार्ड, दिव्यांग दिखाई दे रहा है ऐसा फोटो लाना होगा।

सरसीवा सीएमओ राकेश कुमार साहू की टीम ने हटाई शासकीय भूमि से अतिक्रमण

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

नगर पंचायत सरसीवा क्षेत्रांतर्गत पेंड्रावन रोड से गौठान पहुंच मार्ग हेतु प्रस्तावित सीसी रोड निर्माण स्थल पर शासकीय भूमि में किए गए अवैध अतिक्रमण को बुधवार को हटाया गया। कार्यवाही के दौरान एक खाली मकान, एक रिक्त भूमि तथा सरस्वती ज्ञान मंदिर स्कूल के साथ अवैध रूप से निर्मित बाउंड्रीवाल सहित शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। यह कार्यवाही मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री राकेश कुमार साहू एवं उप अभियंता सत्यप्रकाश मधुकर, नगर पंचायत सरसीवा के जनप्रतिनिधि, अधिकारी -कर्मचारीगण, पुलिस तथा आमजन की उपस्थिति में शांतिपूर्वक संपन्न की गई। भविष्य में कब्जा मुक्त कराई गई इस शासकीय भूमि का समुचित उपयोग करते हुए यहाँ उद्यान एवं नगर पंचायत के नवीन कार्यालय भवन का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।अतिक्रमण हटाए जाने के पश्चात स्थल को पूर्णतः खाली कर लिया गया है, जिससे सीसी रोड निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा सकेगा। यह कार्य क्षेत्र के विकास एवं नागरिकों की सुविधा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत सरसीवा ने नागरिकों से अपील किया है कि, शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें एवं नगर के विकास कार्यों में सहयोग प्रदान करें। विदित हो कि गौठान के समीप ही जल जीवन मिशन अंतर्गत पानी टंकी का निर्माण किया गया है तथा आगामी समय में नगर पंचायत सरसीवा द्वारा कचरा प्रसंस्करण केंद्र (एमआरएफ कम्पोस्ट प्लांट) का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में नगर पंचायत का कार्यालय वार्ड क्रमांक 9 में अस्थायी रूप से पुराने स्कूल भवन परिसर में संचालित हो रहा है।

हनुमान जयंती पर भैनापारा में भक्ति का माहौल: पूजा-अर्चना के बाद विशाल भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर सरिया नगर के वार्ड क्रमांक 7 भैनापारा स्थित हनुमान मंदिर में भक्तिभाव का अद्भुत माहौल देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी और पूरे क्षेत्र में जय श्रीराम व हनुमान जी के जयकारों की गूंज सुनाई दे रही थी। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर संकटमोचन हनुमान से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। मंदिर में विशेष पूजा के दौरान भक्तों ने नारियल, फूल-माला और प्रसाद अर्पित किया। आयोजन के दौरान भजन-कीर्तन भी हुए, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे दिन मंदिर परिसर में आस्था का उत्साह बना रहा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में खासा उत्साह देखा गया।पूजा-अर्चना के समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के गांवों और मोहल्लों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सभी ने श्रद्धा के साथ भोग प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे की व्यवस्था सुव्यवस्थित रही और स्वयंसेवकों ने पूरे समर्पण के साथ सेवा कार्य संभाला, जिससे किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में ललित प्रधान, फुलसाय डनसेना, महेश डनसेना, मुन्ना मेहर, बाबा, सुदामा मेहर, कन्हैया मेहर और राजू साव सहित अन्य भक्तों की अहम भूमिका रही। आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी हनुमान जयंती को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया, और आगे भी ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहेगा।

बैरिकेड तोड़कर कलेक्ट्रेट घेरा, ई-नीलामी रद्द करने की मांग..

सारंगढ़ में चूना पत्थर खदान के खिलाफ उग्र प्रदर्शन

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

प्रस्तावित चूना पत्थर खदान की ई-नीलामी के विरोध में बुधवार को सारंगढ़ में जोरदार प्रदर्शन देखने को मिला। शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों से हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों में आम नागरिकों के साथ बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि भी शामिल रहे। हालात उस वक्त तनावपूर्ण हो गए जब कलेक्ट्रेट पहुंचने से रोकने के लिए लगाई गई पुलिस बैरिकेडिंग को ग्रामीणों ने तोड़ दिया और आगे बढ़ते हुए कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर दिया। इसके बाद कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर खदान की ई-नीलामी रद्द करने की मांग की गई।

घनी आबादी वाले क्षेत्र में खदान का विरोध

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वार्ड क्रमांक 01 कुटेला, वार्ड क्रमांक 02 भोजपुर, वार्ड क्रमांक 10 खैरहा जूनाडीह सहित शहर से लगे कई गांव जैसे रांपागुला, दुर्गापाली, हरिहरपाली, चंदाई, खम्हारडीह, पचपेडी, भैसदेहान, गाताडीह और सुल में खदान के लिए ई-नीलामी प्रस्तावित है। ये सभी क्षेत्र घनी आबादी वाले हैं, जहां खनन गतिविधि शुरू होने से लोगों के जीवन पर सीधा असर पड़ेगा।

स्वास्थ्य और भवनों को नुकसान का खतरा

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि प्रस्तावित क्षेत्र के आसपास जिला अस्पताल, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला पंचायत भवन, स्कूल-कॉलेज, छात्रावास, न्यायालय और अन्य कई महत्वपूर्ण संस्थान स्थित हैं। ऐसे में खनन के दौरान होने वाली ब्लास्टिंग से ध्वनि और वायु प्रदूषण बढ़ेगा, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। साथ ही कंपन और झटकों से भवनों को नुकसान पहुंचने की आशंका भी जताई जा रही है।

नियमों की अनदेखी का आरोप

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नगर के मास्टर प्लान के अनुसार यह क्षेत्र आवासीय और मिश्रित उपयोग के अंतर्गत आता है, जहां खनन गतिविधियां प्रतिबंधित हैं। इसके बावजूद ई-नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। साथ ही पर्यावरणीय स्वीकृति, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति और जनसुनवाई जैसी जरूरी प्रक्रियाओं का भी पालन नहीं किया गया है।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

प्रदर्शन में शामिल जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने साफ कहा कि यदि प्रस्ताव को जल्द रद्द नहीं किया गया तो आंदोलन और उग्र होगा। उनका कहना है कि तेजी से विकसित हो रहे सारंगढ़ में इस तरह की खदान परियोजना शहरी विकास के खिलाफ है और इससे राष्ट्रीय राजमार्ग व अन्य परियोजनाओं पर भी असर पड़ सकता है। अंत में सभी ने प्रशासन से जनहित, सुरक्षा और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए चूना पत्थर खदान की ई-नीलामी तत्काल रद्द करने की मांग की।

शिवसेना का हल्ला बोल: रेत माफिया के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की मांग

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :-कांकेर शिवसेना जिला ईकाई कांकेर द्वारा चारामा ब्लॉक के ग्राम पंचायत माहुद नदिया में हो रहे वैध-अवैध रेत उत्खनन, परिवहन को तत्काल रोक लगाने एवं दोषियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर कांकेर कलेक्टर के नाम अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन। शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे ने बताया कि चारामा ब्लॉक के ग्राम पंचायत माहुद के नदियां में विगत कई महीनो से रेत माफिया के द्वारा बिना किसी वैध परमिट के दिन रात 24 घंटे पोकलैंड मशीनों जेसीपी और डंपर का उपयोग कर अवैध उत्खनन किया जा रहा है।

अवैध उत्खनन के कारण नदी का जलस्तर नीचे गिर रहा है तटबंध टूट रहे हैं और आसपास के कृषि भूमि का कटाव हो रहा है रेत नदी का रीढ़ मानी जाती है जो पानी को रोकने और फिल्टर करने का काम करता है अत्यधिक खनन से नदी की जल धारण क्षमता खत्म हो जाएगी। जिससे भूजल स्तर नीचे गिर जाएगा और क्षेत्र में पानी की भारी किल्लत हो सकती है उन्होंने आगे कहा रेत के अभाव में नदियां अपना प्राकृतिक बहाव खो रही है नदिया सूखने की कगार पर है जिससे उनका जल स्थिति की तंत्र पूरी तरह नष्ट हो रहा है। नदी तटों से रेत निकालने के कारण जल स्थिर हो जाते हैं जिससे बाढ़ आने के आवृत्ति बढ़ जाती है और आसपास के कृषि भूमि का कटाव होने की संभावना बढ़ जाती है स्थानीय नदी नालों से रेत का लगातार और अविवेकपूर्ण उत्खनन पारिस्थितिकी संतुलन के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है यदि यहां सिलसिला जारी रहा तो आने वाले समय में प्रकृति में अपरिवर्तन नुकसान हो सकता है जिससे मानव जीवन भी प्रभावित होगा। भारी वाहनों के अनियंत्रित परिचालन से गांव की सड़क क्षतिग्रस्त हो चुकी है तेज रफ्तार डंपर से आए दिन दुर्घटना का डर बना रहता है जिससे बच्चों और ग्रामीणों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है उक्त संबंध में स्थानीय राजस्व एवं पुलिस को पूर्व में सूचित करने के बावजूद कोई ठोस कार्यवाही नहीं की जा रही है जिससे रेत माफ़ियाओं के हौसले बुलंद हो रही है शिवसेना ने जनहित, पर्यावरण और ग्रामीण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग कलेक्टर से किया है की माहुद में हो रही वैध-अवैध रेत खनन को अविलंब रोका जाएं, नदी में चल रही मशीनों पौंकलेन- जेसीबी को जप्त कर दोषियों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत सख्त आपराधिक मामला दर्ज किया जाएं। क्षेत्र में रात के समय गस्त बढ़ाई जाएं। ज्ञापन सौंपने के दौरान संत पटेल बबलू यादव भोला नेताम उपस्थित रहें।

पश्चिम एशियाई संकट का असर नहीं: बीजापुर में LPG, पेट्रोल-डीजल पर्याप्त, हालात पूरी तरह सामान्य

बीजापुर/मूक पत्रिका

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच बीजापुर में किसी तरह की कमी या अव्यवस्था नहीं है। कलेक्टर संबित मिश्रा और पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने संयुक्त प्रेस वार्ता में साफ किया कि जिले में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। प्रशासन के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। कलेक्टर ने बताया कि पेट्रोलियम और गैस मंत्रालय के हालिया कदमों के चलते सप्लाई मजबूत है और भविष्य में भी किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान कलेक्टर ने जिले में उपलब्ध गैस स्टॉक, घरेलू और व्यावसायिक कनेक्शन तथा रोजाना की बुकिंग से जुड़े आंकड़े भी साझा किए। उन्होंने बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत खाद्यान्न और जरूरी सामानों की उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। साथ ही 30 से 45 दिनों का अग्रिम खाद्यान्न भंडारण सुनिश्चित करने की तैयारी भी की जा रही है। किसानों को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की गई। प्रशासन ने कहा कि खाद की सप्लाई पहले की तरह जारी रहेगी और किसी प्रकार की कमी नहीं होगी। आम लोगों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन और जिला कंट्रोल रूम भी सक्रिय किए गए हैं। कलेक्टर ने अफवाहों को लेकर सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर

चल रही अपुष्ट खबरों से बचें और किसी भी जानकारी की पुष्टि जरूर करें। वहीं एसपी डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। अंतरराज्यीय सीमाओं से जुड़े होने के कारण सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है तथा सीमावर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ाई गई है। प्रेस वार्ता में अधिकारियों ने 31 मार्च को जिले के सशस्त्र माओवाद से मुक्त होने पर लोगों को बधाई भी दी और विकास में मीडिया की भूमिका को अहम बताया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रशासन ने एक बार फिर साफ किया कि स्थिति पूरी तरह सामान्य है और किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

छत्तीसगढ़ के जन नेता और अस्मिता के प्रतीक महंत विशाहू दास के योगदान को बुलाया नहीं जा सकता : डॉ चरणदास महंत

कोरबा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के जननेता, छत्तीसगढ़ की अस्मिता के दैदीप्यमान नक्षत्र महंत बिसाहूदास के योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता। उक्त कथन नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने ओपन थियेटर घंटाघर के पास स्थित स्व. बिसाहूदास महंत स्मृति उद्यान में आयोजित की 102वीं जयंती के अवसर पर विचार रखते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिसाहू दास महंत जनप्रिय राजनेता थे चार बार मध्य प्रदेश में कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में उनके ऐतिहासिक कार्य निर्वहन की क्षमता को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। वे कबीर पंथी होने के साथ-साथ गांधीवादी विचारक थें। सादा जीवन उच्च विचार की गरिमा को हर

हमेशा जीवन की उच्चतम मूल्य मानते थे। सरलता, सहजता एवं मिलन सरिता के वे एक जीवंत प्रतिमूर्ति थे। पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने स्व. बिसाहूदास महंत जी को याद करते हुए कहा बिसाहु दास जी अपनी ओजस्वी शैली और कुछ कर दिखाने के जज्बे के कारण वे संसदीय जगत के पुरोधा माने जाते थे। पृथक छत्तीसगढ़ की कल्पना, छत्तीसगढ़ी भाषा की कल्पना, हंसती खिलखिलाती संस्कृति का सपना देखा था स्व. बिसाहूदास महंत ने। उन्होने आगे कहा कि आज बिसाहूदास महंत जी हमारे बीच नही है लेकिन हम सबको उनके त्यागमय जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। वे राजनीति को सेवा कार्य मानते थे। विद्यार्थी जीवन से ही स्वतंत्रता आंदोलन के प्रति उनका लगाव था। आज जरूरत है महंत के लोक आदर्शों से प्रेरणा ग्रहण करने की। पूर्व विधायक पुरूषोत्तम कंवर ने बिसाहूदास महंत जी की 102वीं जयंती कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि स्व. बिसाहूदास महंत जी की स्मृतियों को सहेजना और उनके मानवीय संवेदना के पक्ष को अजागर करना आवश्यक है क्योकि वे जनसेवक और छत्तीसगढ़ के माटी के लाल बहादूर थे। पूर्व विधायक मोहित केरकेट्टा ने अपने विचार मे बताया स्व. बिसाहूदास महंत के विचार, सिद्धांत एवं अनुशासन आज भी सामुदायिक कल्याण के परिपेक्ष्य में सर्वथा प्रासंगिक है।

भैंसाकोठा कांम्प्लेक्स शाम होते ही बार में तब्दील, सफाई भी बदतर, निगम और पुलिस मौन

रिहाइशी इलाका होने के बाद भी असमाजिक तत्वों का डेरा, कार्रवाई जरूरी

राजनांदगांव/मूक पत्रिका

शहर के कई सार्वजनिक हिस्सो में शराबियों और असामाजिक तत्वों का डेरा देखा जा सकता है। ऐसी ही एक शिकायत भैंसाकोठा नगर निगम कांम्प्लेक्स की सामने आई है, जहां शाम होते ही शराबियों की महफिल जम जाती है। दूसरी तरफ सफाई का वहां पता नहीं है, निगम ने दुकान तो व्यापारियों को आवंटित कर दी। लेकिन वह जर्जर होनी लगी है। जिसके कारण व्यापारियों को दिक्कत हो रही है और सुनने वाला कोई नहीं है। गुरूवार को सुबह कांम्प्लेक्स में जाकर देखा गया तो जगह-जगह शराब बोतलें, डिस्पोजल और नमकीन के रैपर बिखरे हुए थे। आसपास काफी गंदगी भी नजर आई। साफदेखा जा सकता है कि वहां सफाई

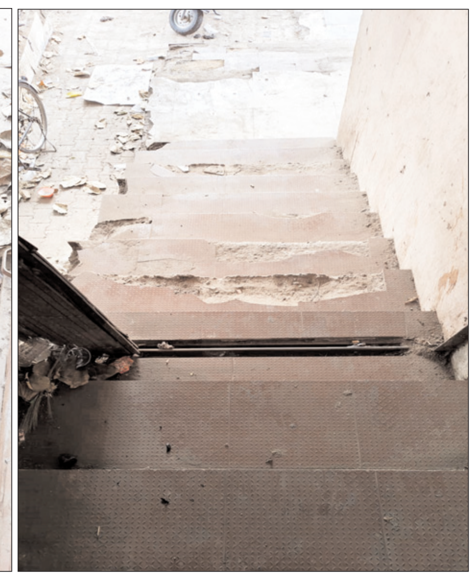

का अता-पता नहीं है। आसपास लोगों ने बताया कि सफाई यहां न के बराबर है। कभी-कभार कर्मचारी आकर झाड़ू लगाकर चले जाते हैं। वर्ना दुकानदारों को ही यह जिम्मेदारी उठानी पड़ती है। यह हर दिन की बात हो गई है, लेकिन नगर निगम राजस्व लेने के बाद ध्यान नहीं दे रहा है, वहीं पुलिस भी वहां आंख मूंदे हुए हैं।

कई स्थानों पर असामाजिक तत्वो का जमावड़ा

शहर के लिए यह आम बात हो गई है कि शाम होने के बाद असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगना शुरू हो जाता है। लेकिन इस पर कार्रवाई न के बराबर हो रही है। भैंसाकोठा कांप्लेक्स जो रिहाइशी इलाके कुआं चौक, पठानपारा से लगा हुआ है। लंबे समय ये यह समस्या बनी हुई है। लेकिन परेशानी जस के तय बनी हुई है। इस पर गौर किया जाना चाहिए। क्योंकि आसपास के लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है।

आरटीई के तहत डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में नर्सरी प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत ग्राम जांता स्थित डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में सत्र 2026-27 के लिए शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत एंट्री क्लास (नर्सरी) में प्रवेश हेतु पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभिभावक 30 मार्च 2026 से 13 अप्रैल 2026 तक आरटीई पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन को मान्य नहीं किया जाएगा। प्रवेश के लिए आवश्यक अर्हताओं के अनुसार आवेदक का विकासखंड बेमेतरा का मूल निवासी होना अनिवार्य है तथा विद्यार्थी का आधार पंजीयन होना जरूरी है। नर्सरी कक्षा में प्रवेश के लिए 1 अप्रैल 2026 की स्थिति में बच्चे की आयु न्यूनतम 3 वर्ष पूर्ण और अधिकतम 4 वर्ष से कम निर्धारित की गई है। प्रवेश प्रक्रिया शासन द्वारा तय नियमों के अनुसार ही संपन्न की जाएगी। आवेदन करते समय अभिभावकों को आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार पंजीयन, दुर्बल या वंचित समूह से संबंधित प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं जन्मतिथि प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन ने पात्र अभिभावकों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है, ताकि बच्चों को आरटीई के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल सके।

कांकेर मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों का शोषण, कलेक्टर से दोषियों पर कार्रवाई की मांग, कलेक्टर दर से कम वेतन मिलने पर फूटा गुस्सा

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :- कांकेर मेडिकल कॉलेज में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों को कलेक्टर दर से न्यूनतम मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। उन्हें न्यूनतम मजदूरी दर से मिलने वाले मजदूरी से करीब तीन हजार रूपये कम वेतन का भुगतान किया जा रहा है। गौरतलब है कि अकुशल श्रमिक का मासिक न्यूनतम मजदूरी 10,656 रुपए के बदले ठेकेदार उन्हें 8 हजार रूपये का भुगतान करते रहे है सर विगत दो माह से 8500 भुगतान किए है। इस प्रकार का कृत्य श्रमिकों का शोषण और अधिकार का हनन के साथ आर्थिक भ्रष्टाचार के श्रेणी में भी आता है। आज जारी एक प्रेस बयान में राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन के राज्य महासचिव ओम प्रकाश देवांगन ने कहा कि कर्मचारियों के साथ हो रहे अन्याय का शिकायत जिला कलेक्टर को किया गया है। उन्होंने कलेक्टर को किया गया शिकायत का विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि प्लेसमेंट कर्मचारियों को ठेकेदार और

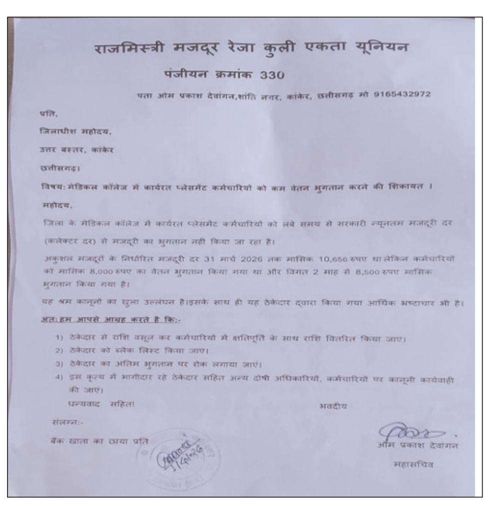

राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन
पंजीयन क्रमांक 330
पता ओम प्रकाश देवांगन,शांति नगर, कांकेर, छत्तीसगढ़ मो 9165432972

प्रति,
जिलाधीश महोदय,
उत्तर बस्तर, कांकेर
छत्तीसगढ़।

विषय: मेडिकल कॉलेज मे कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों को कम वेतन भुगतान करने की शिकायत ।

महोदय,
जिला के मेडिकल कॉलेज मे कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों को लंबे समय से सरकारी न्यूनतम मजदूरी दर (कलेक्टर दर) से मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है।
अकुशल मजदूरी के निर्धारित मजदूरी दर 31 मार्च 2026 तक मासिक 10,656 रुपए था लेकिन कर्मचारियों को मासिक 8,000 रुपए का वेतन भुगतान किया गया था और विगत 2 माह से 8,500 रुपए मासिक भुगतान किया गया है।
यह श्रम कानूनों का खुला उल्लंघन है।इसके साथ ही यह ठेकेदार द्वारा किया गया आर्थिक भ्रष्टाचार भी है।
अतः हम आपसे आग्रह करते है कि:-
1) ठेकेदार से राशि वसूल कर कर्मचारियों मे क्षतिपूर्ति के साथ राशि वितरित किया जाए।
2) ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट किया जाए।
3) ठेकेदार का अंतिम भुगतान पर रोक लगाया जाएं।
4) इस कृत्य मे भागीदार रहे ठेकेदार सहित अन्य दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों पर कानूनी कार्यवाही की जाएं।

धन्यवाद सहित!
भवदीय
संलग्न:-
बैंक खाता का छाया प्रति
ओम प्रकाश देवांगन
महासचिव

मेडिकल कॉलेज के प्रशासन ने लंबे समय से ठेकेदार शोषण कर उन्हें न्यूनतम मजदूरी और श्रम कानून के विभिन्न योजनाओं से वंचित किया

गया है। इस संबंध में यूनियन ने एक शिकायत पत्र कलेक्टर को देते हुए मांग किया है कि ठेकेदार से राशि वसूल कर कर्मचारियों को अविलंब राशि का भुगतान किया जाए, ठेकेदार की कंपनी को तुरंत ब्लैक लिस्ट करें, ठेकेदार के अंतिम भुगतान पर रोक लगाने और इस कृत्य के लिए मेडिकल कॉलेज के दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कानूनी कार्यवाही करें। श्री देवांगन ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि इसी तरह की शिकायत जिला श्रम पदाधिकारी को भी यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा है और इस पर तुरंत गंभीरता से कार्यवाही करने का मांग किया है। श्रम पदाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि संबंधित अधिकारी और ठेकेदार को कल ही नोटिश जारी कर इस शिकायत पर जवाब मांगा जाएगा। गौरतलब है कि यूनियन ने अपने दोनों शिकायत पत्रों में कर्मचारियों के बैंक पास बुक का छायाप्रति भी संलग्न किया है जिसमें ठेकेदार द्वारा वेतन बाबत कर्मचारी के खाता में राशि जमा किया है।

बजरंग दल ने हनुमान जन्मोत्सव पर किया भव्य आयोजन, समाज प्रमुखों, बजरंगी एवं सफाई कर्मचारी को किया सम्मानित

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर एक भव्य एवं दिव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सिरासार भवन में दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके पश्चात सभी पदाधिकारी एवं बजरंगी कार्यकर्ता रैली के रूप में टेकरी स्थित हनुमान मंदिर पहुँचे, जहाँ सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। प्रांत सह मंत्री रवि ब्रह्मचारी ने कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है, और हम सभी को मिलकर सनातन एकता का परिचय देना आवश्यक है। जिलाध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता ने कहा कि हमारे बजरंगी ही हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने धर्मांतरण कानून का समर्थन करते हुए सरकार का धन्यवाद किया और कहा, ÷यह कानून हमारी संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक है, और हम इसका स्वागत करते हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि बजरंग दल इस कानून को लागू करने में सरकार का हर संभव सहयोग करेगा। अरविंद नेताम ने संबोधन करते हुए कहा कि धर्मांतरण आज हमारे समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा बना है, ÷हम अपनी संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर हैं, और किसी भी प्रकार के धर्मांतरण को बर्दाश्त नहीं करेंगे।÷सरकार द्वारा लाए गए कानून का समर्थन कर स्वागत करते हैं। कार्यक्रम में राजा राम तोड़ेम, दशरथ कश्यप, जागेश्वर साहू, प्रेम चालकी, जविता मंडावी, जिला संयोजक विष्णु ठाकुर, सहसंयोजक योगेश, सेवा प्रमुख अनिल अग्रवाल, अर्चक पुरोहित पंकज मिश्रा, सेवा प्रमुख पवन राजपूत, योगेंद्र कौशिक, विभाग सह मंत्री श्रीनिवास रेड्डी विक्रम सिंह ठाकुर, प्रतिक गुरु,मनोज कुमार ठाकुर, प्रेमसागर ठाकुर ,सहित अनेक कार्यकर्ता एवं सनातनी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन योगेंद्र कौशिक द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त कर किया गया।

चूनापत्थर के अवैध परिवहन में संलिप्त 01 हाईवा जप्त

छ.ग. खनिज नियम का उल्लंघन करने पर शौर्य क्रशर उद्योग, मुकुन्द कुमार जैन, ओम साई मिनरल्स, रवि कुमार अग्रवाल के क्रशर को सील एवं कारण बताओ नोटिस जारी

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले के खनिज अमला द्वारा जिला अंतर्गत खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के रोकथाम हेतु समय समय पर आकस्मिक निरीक्षण कर एवं विभिन्न संचार माध्यमों से प्राप्त सूचना पर तत्परता से कार्यवाही किया जाता है। खनिज अमला जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा दिनांक 01.04.2026 को प्रश्नाधीन क्षेत्र गुड़ेली-टिमरलगा का मौका निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान मौका स्थल में कोई भी अवैध उत्खनन किया जाना नहीं पाया गया। मौका स्थल पर उपस्थित व्यक्तियों एवम ग्राम उपसरपंच को निर्देशित किया गया की यदि किसी भी प्रकार का उत्खनन किया जाता है तो तत्काल इसकी सूचना कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) सारंगढ़-बिलाईगढ़ या समीपस्थ थाना को निर्देशित किया गया। गुड़ेली-टिमरलगा क्षेत्र में प्राप्त शिकायत के आधार पर राजस्व विभाग एवं खनिज अमला जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ की

संयुक्त दल द्वारा दिनांक 16.03.2026 को प्रश्नाधीन क्षेत्र का मौका निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान मौका स्थल पर खनिज चूनापत्थर के अवैध उत्खनन में संलिप्त कुल 10 नग मशीन/वाहनो पर छ.ग. गौण खनिज नियम 2015 एवं खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21(4)(5) के तहत् कार्यवाही किया गया। प्रश्नाधीन क्षेत्र अंतर्गत मेसर्स शौर्य क्रशर उद्योग,प्रो. श्री मुकुन्द कुमार जैन, को स्वीकृत भण्डारण क्षेत्र में छ.ग. खनिज (खनन, परिवहन एवं भण्डारण) नियम 2009 के तहत उल्लंघन पाये जाने पर क्रशर को सील एवं कारण बताओं नोटिस दिया गया। साथ ही इस संबंध में अपना जवाब 03 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। प्राप्त जवाब पश्चात् नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। तहसील सरिया के कटंगपाली- नौघाटा क्षेत्र की जांच खनिज अमला जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा दिनांक 01.04.2026 को प्रश्नाधीन क्षेत्र का मौका निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान मौका स्थल में कोई भी अवैध उत्खनन किया जाना नहीं पाया गया। प्रश्नाधीन क्षेत्र अंतर्गत मेसर्स ओम साई मिनरल्स, प्रो. श्री रवि कुमार अग्रवाल, को स्वीकृत भण्डारण क्षेत्र में छ.ग. खनिज (खनन, परिवहन एवं भण्डारण) नियम 2009 के तहत उल्लंघन पाये जाने पर क्रशर को सील एवं कारण बताओं नोटिस दिया गया और इस संबंध में अपना जवाब 03 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। प्राप्त जवाब पश्चात् नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। दिनांक 02.04.2026 को खनिज अमला जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा तहसील सरसींवा क्षेत्र अंतर्गत गौण खनिज चूनापत्थर के अवैध परिवहन में संलिप्त 01 वाहन (हाइवा) क्रमांक ष्ट्ठ 11,क्क 1612 वाहन मालिक दुर्गा सिंघानिया पर कार्यवाही करते हुए थाना सरसींवा के सुरक्षार्थ में दिया गया। यह कार्यवाही छ्त्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 एवं खान एवं खनिज विकास अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की गई। अवैध उत्खनन परिवहन एवं भण्डारण पर कार्यवाही आगे भी कलेक्टर के निर्देशानुसार की जावेगी।

संपादकीय

कानून सख्त, सोच कमजोर, थम नहीं रहा दहेज के नाम पर मौत का सिलसिला

सरकारी स्तर पर देश में दहेज प्रथा पर अंकुश लगाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि इसकी वास्तविक तस्वीर बेहद चिंताजनक है।इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि देश में सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद दहेज के लिए विवाहिता की हत्या या उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। इक्कीसवीं सदी में शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने के बावजूद इस मामले में समाज के एक हिस्से की रूढ़िवादी मानसिकता नहीं बदली है। यही नहीं, कानूनों को सख्ती से लागू करने के मामले में भी विभिन्न स्तरों पर लापरवाही देखी जाती है, जिस कारण इस कुप्रथा की जड़ें नष्ट होने के बजाय गहरी होती जा रही हैं। इसका दंश महिलाओं के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह उनकी जान पर भी भारी पड़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने एक फैसले में इस पर गहरी चिंता जताई और दहेज के मामलों में महिलाओं की मौत की घटनाओं को समाज पर गहरा धब्बा करार दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस सामाजिक कुरीति के कारण आज भी हजारों महिलाएं बेमौत मारी जाती हैं।सरकारी स्तर पर देश में दहेज प्रथा पर अंकुश लगाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि इसकी वास्तविक तस्वीर बेहद चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2023 में दहेज संबंधी अपराधों के तहत दर्ज मामलों में चौदह फीसद की बढ़ोतरी देखी गई है। देश भर में इससे संबंधित पंद्रह हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें छह हजार से ज्यादा महिलाओं की मौत हो गई। जबकि वर्ष 2022 और 2021 में यह संख्या क्रमशः 13,479 और 13,568 थी। सवाल है कि इस तरह की घटनाओं पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है? क्या वजह है कि दहेज प्रथा को बढ़ावा देने वालों में कानून का जरा भी खौफ नहीं है! इसके लिए निश्चित तौर पर कानून प्रवर्तन एजंसियों का ढुलमुल रवैया भी जिम्मेदार है। पुलिस की लापरवाही की वजह से कई बार दहेज से संबंधित मामलों के आरोपी अदालत में सबूतों के अभाव में बरी हो जाते हैं। कई दफा पीड़ित महिलाओं को शिकायत दर्ज कराने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, जो पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।दहेज प्रथा केवल सामाजिक बुराई ही नहीं, बल्कि मानवाधिकारों और गरिमा का भी गंभीर उल्लंघन है। मगर कई मामलों में पीड़ित महिलाओं के परिजन कानूनी जागरूकता की कमी और सामाजिक दबाव के कारण पुलिस में शिकायत तक दर्ज नहीं करा पाते। ऐसे में इस बात पर गहराई से विचार करने की जरूरत है कि क्या भौतिक वस्तुएं, पैसा और झूठी शान किसी महिला की जान से ज्यादा मूल्यवान है!

भारत के लिए इस वैश्विक बदलाव में कई गहरे संकेत छिपे हैं। चंद्रयान-3 के माध्यम से उसने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलता से उतर कर यह दिखा दिया कि वह केवल अंतरिक्ष दौड़ का दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय खिलाड़ी है। यह क्षेत्र इसलिए खास माना जाता है, क्योंकि यहां जल और बर्फ के मौजूदगी की संभावना है, जो भविष्य में ईंधन, आक्सीजन और मानव बस्तियों की आधारशिला बन सकती है। इस उपलब्धि के साथ भारत अब उन चुनिंदा देशों की कतार में है जिनके पास चांद तक पहुंचने और वहां उतरने की क्षमता है। यह सफलता केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति का संकेत भी है। इससे भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है और इसरो को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसर मिले हैं।

चांद की नई 'स्पेस रेस' - ताकत, तकनीक और अर्थव्यवस्था की जंग में भारत कहां खड़ा है

(विजन कुमार पांडेय)

अंतरिक्ष अब केवल वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह दुनिया की बड़ी ताकतों के बीच शक्ति और वर्चस्व की नई जमीन बन चुका है। इस बदले दौर में चांद एक बार फिर रणनीतिक होड़ का केंद्र बन गया है। अमेरिका और चीन चांद को भविष्य की अंतरिक्ष गतिविधियों, संसाधनों पर वर्चस्व और तकनीकी बढ़त का आधार बनाना चाहते हैं। निजी कंपनियां भी इस दौड़ में उतर चुकी हैं, जिससे अंतरिक्ष अब सरकारों तक सीमित न रह कर बाजार, रोजगार और आम आदमी के भविष्य से जुड़ता जा रहा है। चांद पर जाने की यह जल्दबाजी केवल विज्ञान की जिज्ञासा नहीं, बल्कि आने वाले समय में ताकत की रूपरेखा तय करने की तैयारी है। जो देश आज चांद पर अपनी मौजूदगी मजबूत करेंगे, वही कल अंतरिक्ष से जुड़ी कमाई और बड़े फैसलों पर असर डालेंगे। ऐसे में भारत के सामने भी सवाल है कि क्या वह इस बदलती अंतरिक्ष राजनीति को समझ कर समय रहते अपनी योजना बनाएगा?

मनुष्य सबसे पहले मंगल पर कब पहुंचेगा, यह सवाल लंबे समय तक रोमांच बना रहा। 'स्पेसएक्स' और 'ब्लू ओरिजिन' ने इसी सपने को अपनी पहचान बनाया। एलन मस्क समय सीमा घोषित करते रहे। उद्देश्य था- महत्त्वाकांक्षा दिखाना और प्रतिभा आकर्षित करना। मगर हाल के महीनों में तस्वीर बदली है। हकीकत यह है कि पर्दे के पीछे 'स्पेसएक्स' लंबे समय से नासा के साथ चांद से जुड़े काम में लगी थी। आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत मानव को चांद पर उतारने का जिम्मा इसी का प्रमाण है। उधर, जेफ बेजोस की कंपनी भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इससे स्पष्ट है कि अंतरिक्ष की अगली निर्णायक मंजिल मंगल नहीं, बल्कि चांद है।

इसके पीछे सबसे बड़ा कारण नासा की बदलती प्राथमिकताएं हैं। अमेरिका का आर्टेमिस कार्यक्रम चांद पर स्थायी उपस्थिति बनाने की दिशा में बढ़ रहा है। यह केवल वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था की नींव रखने का प्रयास है। चांद पर खनिज संसाधन और ऊर्जा के स्रोत मौजूद हैं। इनका उपयोग अंतरिक्ष अभियानों की लागत कम कर सकता है। साथ ही अमेरिका को यह चिंता भी सता रही है कि यदि उसने चांद पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज नहीं कराई, तो चीन यह बढ़त हासिल कर लेगा। उसने चांद पर कई सफल मिशन भेजे हैं और वह 2030 के लिए मानव मिशन की घोषणा कर चुका है।

भारत के लिए इस वैश्विक बदलाव में कई गहरे संकेत छिपे हैं। चंद्रयान-3 के माध्यम से उसने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलता से उतर कर यह दिखा दिया कि वह केवल अंतरिक्ष दौड़ का दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय खिलाड़ी है। यह क्षेत्र इसलिए खास माना जाता है, क्योंकि यहां जल और बर्फ के मौजूदगी की

संभावना है, जो भविष्य में ईंधन, आक्सीजन और मानव बस्तियों की आधारशिला बन सकती है। इस उपलब्धि के साथ भारत अब उन चुनिंदा देशों की कतार में है जिनके पास चांद तक पहुंचने और वहां उतरने की क्षमता है। यह सफलता केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति का संकेत भी है। इससे भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है और इसरो को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसर मिले हैं।

असली परीक्षा वैज्ञानिक या तकनीकी नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्रश्न यह नहीं कि भारत चांद तक पहुंच सकता है या नहीं। यह तो वह सिद्ध कर चुका है। असली प्रश्न यह है कि क्या भारत इस सफलता को ऐसी दीर्घकालिक राष्ट्रीय अंतरिक्ष रणनीति में बदल पाएगा, जो देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सके और जोखिमों को कम कर सके। क्या चांद पर नियमित मिशन भेजने, वहां उपलब्ध संसाधनों की खोज और भविष्य की औद्योगिक गतिविधियों के लिए स्पष्ट, समयबद्ध और वित्तपोषित कार्ययोजना है? अंतरिक्ष में हर असफल प्रयास केवल वैज्ञानिक झटका ही नहीं देते, बल्कि भारी आर्थिक नुकसान भी कराते हैं। अरबों रुपए का निवेश, वर्षों की मेहनत और अनगिनत मानव-घंटे एक झटके में दांव पर लग जाते हैं।

यदि भारत इस अवसर को सही ढंग से साधता है, तो अंतरिक्ष क्षेत्र केवल खर्च का मद नहीं रहेगा, बल्कि रोजगार सृजन, उच्च-प्रौद्योगिकी, उद्योगों और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार भी बनेगा। तब भारत केवल एक सफल मिशन वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाने वाली शक्ति होगा। अमेरिका और चीन चांद को भविष्य की अंतरिक्ष गतिविधियों का बड़ा केंद्र बनाने की होड़ में हैं। वे वहां ठिकाने बसाने, संसाधनों पर पकड़ बनाने और निजी कंपनियों के लिए नए मौके खोलने की तैयारी कर रहे हैं। साफ है कि अंतरिक्ष अब केवल विज्ञान का विषय नहीं रहा, बल्कि रोजगार, उद्योग और कमाई की नई जमीन बन चुका है। ऐसे में भारत के सामने भी निर्णायक स्थिति है। क्या वह सिर्फ मिशन भेज कर खुश रहेगा या चांद पर स्थायी मौजूदगी की ठोस योजना बनाएगा? यह सवाल केवल वैज्ञानिकों का नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक के भविष्य से जुड़ा है।

इसरो की कम लागत वाली और भरोसेमंद तकनीक भारत की सबसे बड़ी ताकत है। अब समय आ गया है कि निजी कंपनियों और युवाओं को बड़े पैमाने पर अंतरिक्ष क्षेत्र में शामिल किया जाए। इससे नए उद्योग खड़े होंगे, नौकरियां सृजित होंगी और अंतरिक्ष क्षेत्र आम लोगों की तरक्की का माध्यम बनेगा। हाल के वर्षों में भारत सरकार ने निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोला है। नवउद्यम उभर रहे हैं, राकेट और उपग्रह बनाने की पहल हो रही है, लेकिन इस प्रयास को और तेज करने की जरूरत है। चांद और गहन अंतरिक्ष मिशनों के लिए भारी निवेश, दीर्घकालिक नीति चाहिए।

'स्पेसएक्स' और 'ब्लू ओरिजिन' की रणनीति एक अहम सबक देती है कि बड़े सपने दिखाना आसान है, लेकिन काम छोटे और ठोस कदमों से ही आगे बढ़ता है। सीधे मंगल की छलांग नहीं, पहले चांद पर मजबूत कदम जरूरी है। यही रास्ता व्यावहारिक है। चांद पर लगातार उपग्रह भेजने और आगे चल कर मानव मिशन की तैयारी ही हमें बड़े लक्ष्यों तक पहुंचाएगी। जो देश सीढ़ी-दर-सीढ़ी चढ़ता है, वही शिखर पर पहुंचता है। अंतरिक्ष अन्वेषण का भविष्य केवल वैज्ञानिक खोज नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों से भी जुड़ा है। उपग्रह सेवाएं, अंतरिक्ष पर्यटन, संसाधन खनन और संचार नेटवर्क आने वाले समय में बड़ी अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनेंगे। जो देश अभी तैयारी करेंगे, वही आगे चल कर लाभ उठाएंगे।

'स्पेसएक्स' और 'ब्लू ओरिजिन' का चांद की ओर बढ़ना बताता है कि अंतरिक्ष की दौड़ अब सपनों की कहानी नहीं रही। यह आज राष्ट्रीय शक्ति, रोजगार, उद्योग और तकनीक की सीधी लड़ाई बन चुकी है। जो देश चांद पर अपनी मजबूत मौजूदगी बनाएगा, वही आने वाले समय की दिशा भी तय करेगा। भारत के लिए यह आत्मसंतोष का नहीं, बल्कि साहसिक फैसले लेने का समय है। चंद्रयान-3 की सफलता को केवल उपलब्धि मान कर रुकना काफी नहीं होगा। अब जरूरत है कि हम चांद पर लगातार मिशन भेजें और दीर्घकालिक कार्यक्रम बनाएं। इससे देश में नई नौकरियां बनेंगी, तकनीक आगे बढ़ेगी और आम आदमी को भी इसका लाभ मिलेगा। यदि भारत आज सही फैसले करता है, तो वह सिर्फ अंतरिक्ष तक नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला देश बनेगा।

सरजमीं जिसमें निरंतर संघर्ष व संकटों से उबरने का है जज्बा

नरेन्द्र कुमार

मैं ईरान हूं। कुछ लोग मुझे आज भी प्यार से फारस कहते हैं तो कुछ मुझे मेरे आधिकारिक नाम इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान से पुकारते हैं। मेरी धरती पश्चिम एशिया के हृदय में फैली हुई है। मेरे पश्चिम में इराक, उत्तर-पश्चिम में तुर्की, अजरबैजान और आर्मेनिया, उत्तर में कैस्पियन सागर, उत्तर-पूर्व में तुर्कमेनिस्तान, पूर्व में अफगानिस्तान, दक्षिण-पूर्व में पाकिस्तान और दक्षिण में फारस तथा ओमान की खाड़ी मुझे घेरती हैं। मेरी आबादी लगभग 9 करोड़ है। मेरा दिल तेहरान में धड़कता है। मेरी पहचान केवल मेरी सीमाओं या जनसंख्या से नहीं है। मैं समय की उन गहराइयों से उभरा हूं, जहां इतिहास और सभ्यता ने पहली बार अपनी आवाज पाई थी। सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व में मीड्स ने मुझे पहली बार एक रूप दिया, एक संगठित पहचान दी। फिर साइरस महान ने मेरे भीतर अचेमेनिड साम्राज्य की नींव रखी।

लेकिन हर शक्ति की तरह, मैंने भी पराजय का स्वाद चखा। सिकंदर महान आया और उसने मेरे उस गौरवशाली साम्राज्य को तोड़ दिया। मैं फिर उठा। पार्थियन और फिर ससानी साम्राज्य के रूप में। ससानी काल मेरा स्वर्ण युग था।

सभ्यता, धर्म तथा आक्रमणों का दौर- मैं प्राचीन काल से ही ज्ञान और सभ्यता का केंद्र रहा हूं। लेखन, कृषि, शहरीकरण, धर्म और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में मैंने दुनिया का मार्गदर्शन किया है। कभी मैं जोरोआस्ट्रियन धर्म का प्रमुख केंद्र था। 7वीं शताब्दी में जब मुस्लिम सेनाएं आईं, तो मैंने इस्लाम को अपनाया इसके बावजूद, मैंने अपनी सांस्कृतिक आत्मा को जीवित रखा। फिर से मैंने साहित्य, दर्शन, गणित, चिकित्सा और कला के क्षेत्रों में नयी ऊंचाइयां हासिल कीं। उसी दौर में मेरी फारसी भाषा और संस्कृति ने फिर से जन्म लिया।

मध्यकाल में सेल्जुक और ख्वारज़्मियन शासकों का दौर देखा और फिर मंगोलों का आक्रमण सहा। इसके बावजूद, मैं फिर से उठा। 14वीं शताब्दी में तैमूर के नेतृत्व में मैंने पुनर्जागरण का अनुभव किया। अंततः, 16वीं शताब्दी शिया इस्लाम को मेरी पहचान बनाया। अठारहवीं शताब्दी में मैं एक प्रमुख ताकत बनकर उभरा। फिर काजार वंश के समय आंतरिक संघर्षों और बाहरी दबावों के बीच जूझता रहा।

संवैधानिक क्रांति- 20वीं शताब्दी की शुरुआत में संवैधानिक क्रांति के रूप में मेरे भीतर बदलाव की एक नयी लहर उठी। फिर 1925 में रजा शाह पहलवी ने सत्ता संभाली और आधुनिकीकरण की शुरुआत की। सड़कों, रेल, उद्योग और शिक्षा में सुधार हुआ, लेकिन शक्ति कुछ हाथों में केंद्रित हो गई।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1941 में ब्रिटेन और सोवियत संघ ने आक्रमण किया। रजा शाह को पद छोड़ना पड़ा। उनके बेटे मोहम्मद रजा पहलवी ने मेरी बागडोर संभाली। 1953 में तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण करने की कोशिश की गयी। लेकिन अमेरिका और ब्रिटेन के समर्थन से हुए तख्तापलट ने इस प्रयास को रोक दिया और शाह की सत्ता को और मजबूत कर दिया।

इस्लामिक गणराज्य का स्वरूप- फिर आया 1979। मेरे लोगों ने राजशाही को समाप्त कर दिया और अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी के नेतृत्व में मैंने खुद को एक इस्लामिक गणराज्य के रूप में पुनः स्थापित किया। लेकिन शांति मुझे ज्यादा देर तक नहीं मिली। 1980 में इराक ने मुझ पर हमला किया। मैं आठ साल तक युद्ध में उलझा रहा।

आज मैं एक इस्लामी गणराज्य हूं, जहां सर्वोच्च नेता के पास अंतिम सत्ता होती है।

मैं प्राचीन काल से ही ज्ञान और सभ्यता का केंद्र रहा हूं। लेखन, कृषि, शहरीकरण, धर्म और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में मैंने दुनिया का मार्गदर्शन किया है। कभी मैं जोरोआस्ट्रियन धर्म का प्रमुख केंद्र था। 7वीं शताब्दी में जब मुस्लिम सेनाएं आईं, तो मैंने इस्लाम को अपनाया इसके बावजूद, मैंने अपनी सांस्कृतिक आत्मा को जीवित रखा। फिर से मैंने साहित्य, दर्शन, गणित, चिकित्सा और कला के क्षेत्रों में नयी ऊंचाइयां हासिल कीं। उसी दौर में मेरी फारसी भाषा और संस्कृति ने फिर से जन्म लिया।

मेरे यहां चुनाव होते हैं, लेकिन हर निर्णय जनता के हाथ में नहीं होता। मुझ पर मानवाधिकारों के उल्लंघन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध के आरोप लगते रहे हैं।

प्राकृतिक गैस और तेल के भंडार- आर्थिक रूप से मैं बेहद समृद्ध संसाधनों वाला देश हूं। मेरे पास दुनिया के दूसरे सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडार और तीसरे सबसे बड़े तेल भंडार हैं। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ने मेरी अर्थव्यवस्था को चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

परमाणु कार्यक्रम- मेरा परमाणु कार्यक्रम भी दुनिया की निगाहों में है। जबकि मैं लगातार यह कहता हूं कि मेरा उद्देश्य केवल शांतिपूर्ण है। मैं आज भी अपने अतीत, अपने संघर्षों और अपने भविष्य के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

हाल के वर्षों में इस्राइल और सऊदी अरब के साथ मेरा तनाव लगातार बढ़ता गया। जून 2025 में हुए इस्राइल के हमलों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। मेरे यहां विरोध प्रदर्शन हुए। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्राइल ने मुझ पर हमला कर दिया। इन हमलों ने मेरे संघर्ष को और तेज कर दिया। इन हमलों में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हत्या ने देशवासियों को हिलाकर रख दिया। उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता बनाया गया। अभी तो मैं हमले सह रहा हूं और जवाबी हमले कर रहा हूं। मुझे खुद भी नहीं पता कि यह युद्ध कब तक चलेगा। बस, संघर्ष मेरी फितरत है और गिरके फिर खड़े हो जाना मेरी आदत।

तंग गलियों से कारखानों तक एलपीजी संकट, असंगठित भारत की रसोई पर बढ़ता दबाव

(पीएस वोहरा)

मगर सवाल है कि इन सबके बीच क्या देश की आर्थिक नीतियां एक ऐसे भ्रम से ग्रस्त हो गई हैं कि वे वैश्विक उथल-पुथल के पूर्वानुमानों को सही ढंग से समझ नहीं पा रही हैं? और समाज के उस तबके पर पड़ रहे आर्थिक दबाव को भी खत्म नहीं कर पा रही हैं, जो कि आर्थिक विकास की मुख्य धारा से अब तक छिटका हुआ है। देश की आर्थिक नीतियों में उसका पक्ष क्यों नहीं नजर आता है, जिसे 'असंगठित क्षेत्र' कहा जाता है, जबकि इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को किसी भी आर्थिक संकट से सबसे पहले सुरक्षित किया जाना चाहिए।

यह सच है कि सफल आर्थिक नीतियों का सबसे बड़ा आधार उनकी वैश्विक दूरदर्शिता और लंबे अरसे तक घरेलू बाजार में उनका स्थायित्व होता है। भारत इसी पक्ष पर पिछले कई दशकों से सभी को आश्चर्यचकित करता रहा है और इसी कारण आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा भी हासिल कर चुका है। दुनिया की सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और वैश्विक संस्थान भारत की तेजी से बढ़ रही आर्थिक विकास दर से खासे प्रभावित हैं। साथ ही देश के घरेलू बाजार की क्रय क्षमता सभी बड़े वैश्विक उत्पादों और सेवाओं के लिए आकर्षण का केंद्र भी बनी हुई है।

मगर सवाल है कि इन सबके बीच क्या देश की आर्थिक नीतियां एक ऐसे भ्रम से ग्रस्त हो गई हैं कि वे वैश्विक उथल-पुथल के पूर्वानुमानों को सही ढंग से समझ नहीं पा रही हैं? और समाज के उस तबके पर पड़ रहे आर्थिक दबाव को भी खत्म नहीं कर पा रही हैं, जो कि आर्थिक विकास की मुख्य धारा से अब तक छिटका हुआ है। देश की आर्थिक नीतियों में उसका पक्ष क्यों नहीं नजर आता है, जिसे 'असंगठित क्षेत्र' कहा जाता है, जबकि इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को किसी भी आर्थिक संकट से सबसे पहले सुरक्षित किया जाना चाहिए।

संकट की मार

आज जब भारत जीडीपी की रफ्तार में चार ट्रिलियन के मुकाम पर खड़ा है और तेजी से आगे बढ़ने का सपना देख रहा है, ऐसे में समाज का असंगठित क्षेत्र ही आर्थिक विषमता के संकट से सबसे ज्यादा त्रस्त नजर आता है और उसकी लगातार अनदेखी हो रही है। इसका कारण शायद यही है कि आर्थिक नीतियां तेजी से बढ़ रहे विकास के भ्रम में उलझ गई हैं।

सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि देश में वित्तीय वर्ष 2021-22 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार करीब 44 करोड़ लोग असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों के रूप में कार्यरत थे। इनमें कृषि क्षेत्र, निर्माण और छोटे उद्योगों के श्रमिक तथा निजी प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, सड़क किनारे भोजन सामग्री बेचने वाले आदि सम्मिलित हैं। कोरोनाकाल में पूर्णबंदी का सबसे अधिक असर भी इसी वर्ग पर हुआ था।

वर्ष 2026 की शुरुआत वैश्विक स्तर की कुछ घटनाओं के कारण देश के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए काफी चिंताजनक रही। मसलन, एक जनवरी, 2026 से जब चीन ने अपने यहां चांदी के निर्यात को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया, तो उससे भारत के घरेलू बाजार में चांदी के मूल्य अप्रत्याशित रूप से इतने बढ़ गए, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

देश के घरेलू बाजार में चांदी की खपत एकाएक कम हुई, तो उसके दुष्प्रभाव भी इसी असंगठित क्षेत्र पर सबसे ज्यादा दिखे। यह बहुत साधारण विश्लेषण है कि जब चांदी की पाजेब पांच से दस हजार रुपए के मूल्य से चार गुना महंगी हो जाएगी, तो उसे आम आदमी क्यों खरीदेगा? फिर इससे चांदी के व्यापार में श्रमिकों का रोजगार कैसे बना रहेगा? यह सब भले ही वैश्विक संकट की उपज थी, मगर देश की आर्थिक नीतियों में कोई भी दूरदर्शिता इस असंगठित क्षेत्र के कामकाजी श्रमिकों के पक्ष में नहीं दिखी।

कतार और इंतजार

कुछ इसी तरह की स्थिति वर्तमान में भी बनी हुई है, जब ईरान, इजराइल और अमेरिका के युद्ध के कारण रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई, तो इसकी सबसे अधिक मार असंगठित क्षेत्र से जुड़े लोगों पर ही पड़ रही है। उन्हें घरों में भोजन बनाने के लिए लंबी कतारों में खड़े होकर गैस सिलेंडर का इंतजार करना पड़ रहा है।

दूसरा, इस मार का आर्थिक दबाव भी उन्हीं पर पड़ रहा है, जो किसी को नहीं दिख रहा है। आंकड़ों के हिसाब से बड़े शहरों, राजधानियों और महानगरों की तंग गलियों में स्थापित छोटे भोजनालयों से लेकर कारखानों तक में एलपीजी की आपूर्ति में हुई कमी के कारण इसका असर असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की आजीविका पर भी पड़ने लगा है।

इसके अलावा यह पक्ष भी इस संकट की तस्वीर में नहीं दिख रहा है कि एलपीजी की किल्लत से भोजन व्यवसाय महंगा हो गया है और इसका आर्थिक दबाव सड़कों पर चलने वाले टैक्सी चालकों से लेकर ऐसे व्यक्तियों पर बहुत अधिक पड़ रहा है, जो दिन में एक दफा भोजन करके घर से बाहर रहते हैं।

इसी तरह कारखानों में कार्यरत श्रमिक न्यूनतम मूल्य पर कैंटीन में ही भोजन कर लिया करते थे, मगर अब यह भी बंद होने लगा है, क्योंकि कैंटीन में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कमी हो गई है।

भ्रम का असर

आर्थिक नीतियों में भ्रम का असर भारत के पूंजी बाजारों के प्रदर्शन पर भी देखने को मिला है। एक रपट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर तेजी से उभरने वाली अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाजारों में एक जनवरी, 2025 से फरवरी, 2026 के दौरान करीब पचास फीसद से अधिक का 'रिटर्न' देखा गया है और ब्राजील में तो यह आंकड़ा अस्सी फीसद था।

वहीं भारत के पूंजी बाजार में इसी अवधि के दौरान 'रिटर्न' एक फीसद के लगभग नकारात्मक रहा है। पूरे विश्व में सऊदी अरब के बाद भारत सबसे खराब प्रदर्शन वाला पूंजी बाजार रहा। कारण, भारत के शेयर बाजार की कंपनियों में आर्थिक निवेश बहुत महंगे हैं या वे वर्तमान में बहुत अधिक मूल्य पर मूल्यांकित हैं।

इस पक्ष पर क्या ये सोचना गलत है कि भारतीय आर्थिक नीतियां इस भ्रम में थीं कि देश तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और यहां का घरेलू बाजार विश्व में सबसे अधिक क्रय क्षमता रखता है, जिसके चलते विदेशी निवेश भारतीय बाजारों में आएगा ही।

शायद इसी भ्रम की वजह से भारत विश्व का एकमात्र देश था, जिसने विदेशी पूंजी निवेश पर दीर्घकालिक पूंजीगत कर भी लगाया। मगर आज परिणाम बिल्कुल विपरीत हो गया है। इस सब में भी आर्थिक रूप से सबसे अधिक प्रभावित एक आम आदमी ही हुआ है, जो अपने निवेश को एसआइपी के माध्यम से पूंजी बाजारों को सौंप रहा है।

महंगाई की रफ्तार

पिछले कुछ समय से आर्थिक निवेश का प्रवाह म्युचुअल फंड के अंतर्गत बहुत अधिक प्रचलन में है। और यकीनन छोटे निजी क्षेत्रों में और असंगठित क्षेत्रों से जुड़े वे लोग जिनकी कमाई बहुत अधिक नहीं है, वे भी बड़े स्तर पर अपनी बचत को आकर्षक वापसी की चाहत में एसआइपी में निवेश कर रहे हैं।

उन पर भी इन्हीं आर्थिक वैश्विक उठापटक की मार पूंजी बाजार में देखने को मिली है। इसके अलावा ईरान, इजराइल और अमेरिका के युद्ध के चलते कच्चे तेल के मूल्यों में बढ़ोतरी और डालर के मुकाबले कमजोर होते रुपए की वजह से घरेलू बाजार में वस्तुओं के दाम बढ़ते जा रहे हैं।

अब सवाल है कि आर्थिक नीतियों के किस पक्ष से कोई राहत देने की कोशिश की जाएगी? क्या पिछले वर्ष दिवाली से पूर्व जीएसटी दरों में की गई कटौती का समय सही था? उस दौरान के बजाय अगर वर्तमान समय में कच्चे तेल के मूल्य में हुई बढ़ोतरी के कारण वस्तुओं के दाम बढ़ने से होने वाली महंगाई को नियंत्रण में करने के लिए जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के उपाय किए जाते, तो वे अपनी सार्थकता को सही ढंग से साबित कर पाते। अब तो वह विकल्प भी उपलब्ध नहीं होगा। (यह लेखक के अपने विचार है)

जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता : सरपंच-सचिवों की समीक्षा बैठक आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में जल संरक्षण कार्यों को गति देने के उद्देश्य से मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत साजा एवं बेमेतरा विकासखंड के सभी सरपंच एवं सचिवों की समीक्षा बैठक जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता पद्माकर ने की।

मोर तरिया आय के जरिया थीम पर जोर

बैठक में मोर तरिया आय के जरिया थीम के अंतर्गत तालाब निर्माण को बढ़ावा देने तथा प्रत्येक घर में रिचार्ज पिट बनाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि इन कार्यों से जल संरक्षण को मजबूती मिलेगी और भविष्य में जल संकट से बचाव संभव होगा। श्रीमती पद्माकर ने स्पष्ट किया कि जिले में जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता से करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी सरपंच एवं सचिवों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान को गंभीरता से लागू करें, जिससे ग्रामीणों को पेयजल समस्या से राहत मिल सके।

मोर गांव मोर पानी महाअभियान में निरंतरता के लिए जिला पंचायत में समीक्षा

मनरेगा एवं आवास योजनाओं की समीक्षा

बैठक में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अन्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी ग्राम पंचायतों में मनरेगा कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास के अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर जोर दिया गया।श्रमिकों के लंबित भुगतान खातों में जमा होने की प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी गई।

समय पर और गुणवत्ता के साथ क्रियान्वयन के निर्देश

सभी सरपंच एवं सचिवों को निर्देशित किया गया कि वे योजनाओं का क्रियान्वयन समय-सीमा के भीतर एवं गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करें। प्रशासन ने कहा कि सामूहिक प्रयास से ही जल संरक्षण कार्यों को प्रभावी बनाया जा सकता है।

दो चरणों में हुई समीक्षा

बैठक में पहले चरण में जनपद पंचायत साजा के सरपंच-सचिवों की समीक्षा की गई, जबकि दूसरे चरण में जनपद पंचायत बेमेतरा की समीक्षा की गई। इस दौरान संबंधित जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जल संसाधनों के संरक्षण की दिशा में पहल

मोर गांव मोर पानी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों से जिले के जल संसाधनों का संरक्षण होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट की समस्या में कमी आएगी।

कुंवरगढ़ महोत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की शानदार झलक,मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की गरिमामयी उपस्थिति ने बढ़ाया उत्साह

रायपुर/धरसीवां/आरंग /मूक पत्रिका

ऐतिहासिक कुंवरगढ़ महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ी लोक कला, संगीत एवं हास्य का भव्य संगम देखने को मिला। इस अवसर पर कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री माननीय श्री गुरु खुशवंत साहेब जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा और भी बढ़ा दी। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराएं हमारी पहचान हैं, जिन्हें संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय कलाकारों को मंच मिलता है और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध गायक विवेक शर्मा की ऊर्जावान प्रस्तुति से हुई, जिसने दर्शकों में उत्साह का संचार किया। इसके पश्चात लोक गायिका गरिमा दिवाकर ने भक्ति एवं लोक संगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। उभरती कलाकार चम्पा निषाद ने भी अपने मधुर गीतों से दर्शकों का दिल जीत लिया। सांस्कृतिक संध्या में हास्य कलाकार पप्पू चंद्राकर ने अपने चुटीले अंदाज से दर्शकों को खूब गुदगुदाया और कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राज्य सरकार कलाकारों के सर्वांगीण विकास एवं प्रोत्साहन के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने सभी कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर धरसीवां विधायक श्री अनुज शर्मा, अभनपुर विधायक श्री इंद्र कुमार साहू, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

हनुमान जयंती पर पूर्व मंत्री ने मंदिरों में पहुंचकर की पूजा अर्चना प्रदेश वासियों के सुख समृद्धि की की कामना

कोरबा/मूक पत्रिका

पवनपुत्र भगवान श्री हनुमान जी की जयंती के पावन अवसर पर पूरे कोरबा जिले में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अखंड रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ एवं हनुमान चालीसा के आयोजन बड़े ही श्रद्धा भाव से किए जा रहे हैं। साथ ही, श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारों का आयोजन कर सेवा भाव का भी परिचय दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने शहर के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर धार्मिक आयोजनों में सहभागिता की। उन्होंने लक्ष्मी नारायण मंदिर दर्री रोड कोरबा, आरपी नगर फेस-2, बजरंग चौक बांकीमोंगरा, नेहरू नगर बालको एम पी नगर कोरबा आदि विभिन्न स्थानों के मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों में उपस्थित होकर भगवान श्री हनुमान जी की पूजा-अर्चना की। इस दौरान जयसिंह अग्रवाल ने प्रदेश एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति की कामना की। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद ग्रहण किया एवं आमजन और गणमान्य नागरिकों से मिलकर हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि भगवान श्री हनुमान जी शक्ति, भक्ति और समर्पण के प्रतीक हैं। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सेवा भाव और एकता को बढ़ावा दिया जा सकता है। हनुमान जयंती के इस पावन अवसर पर आयोजित धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों ने कोरबा में धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक समरसता और सेवा भावना का भी सुंदर संदेश दिया है।

बाराद्वार में एसपी की उपस्थिति में चलित थाने का हुआ शुभारंभ

सक्ती/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक महोदय सक्ती की उपस्थिति में थाना बाराद्वार क्षेत्रांतर्गत ग्राम केकराभाट में चलित थाना का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन से सीधा संवाद स्थापित करना एवं क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना था। चलित थाना में पुलिस अधीक्षक महोदय प्रफुल्ल कुमार ठाकुर द्वारा ग्रामीणों को यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक किया गया। विशेष रूप से हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, नशे की हालत में वाहन न चलाने तथा यातायात संकेतों का पालन करने के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी शेयरिंग, बैंक फ्रॉड आदि से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। नागरिकों को सतर्क रहने एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अन्य अपराधों की रोकथाम हेतु भी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए तथा ग्रामवासियों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निराकरण किया गया। पुलिस विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे कानून का पालन करें, जागरूक रहें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें।उक्त कार्यक्रम मे थाना प्रभारी बाराद्वार निरीक्षक नरेन्द्र यादव एव अन्य स्टाफ तथा ग्राम केकराभांठ के जनप्रतिनिधि एवं आसपास के गांवो से लगभग 300 आम नागरिक उपस्थित हुये ।

खाद्य औषधि प्रशासन विभाग ने लगाया पंजीयन शिविर

सक्ती/मूक पत्रिका

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशन में तथा खाद्य आयुक्त दीपक अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पूजा अग्रवाल एवं अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, जिला सक्ती द्वारा अग्रसेन भवन सक्ती में अनुज्ञप्ति एवं पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान खाद्य व्यवसाय संचालकों से कुल 50 खाद्य पंजीयन आवेदन प्राप्त हुए। विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर ही 5 पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किए गए। शिविर का मुख्य उद्देश्य खाद्य कारोबारियों को सरल एवं सुगम प्रक्रिया के माध्यम से पंजीयन एवं लाइसेंस उपलब्ध कराना तथा उन्हें खाद्य सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना था। अधिकारियों ने बताया कि विभाग द्वारा भविष्य में जिले के अन्य विकासखंडों में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक खाद्य व्यवसाय संचालक लाभान्वित हो सकें। साथ ही सभी खाद्य कारोबारियों से अपील की गई कि वे अनिवार्य रूप से खाद्य अनुज्ञप्ति एवं पंजीयन बनवाएं और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी शांतनु भट्टाचार्य एवं गल्ला किराना संघ के अध्यक्ष सुनील बंसल सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

जिले को मिली 11 नई 108 संजीवनी एक्सप्रेस, जिले के ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में अब और तेज होगी आपातकालीन चिकित्सा सुविधा

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिला कलेक्टोरेट परिसर में आज 108 संजीवनी एक्सप्रेस के अंतर्गत 11 नवीन एडवांस लाइफसपोर्ट एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्री लाल साहू, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिजीत बबन पठारे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैंकरा उपस्थित रहे और एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई। नगर निगम महापौर चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में 108 संजीवनी एक्सप्रेस के तहत 11 नई एम्बुलेंस सेवाओं का शुभारंभ किया गया है, जिससे जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी। कलेक्टर ने कहा कि नई एम्बुलेंस सेवाओं के माध्यम से विशेष रूप से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इन एम्बुलेंस के माध्यम से गंभीर मरीजों को त्वरित एवं बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी, जिससे जीवन रक्षा की संभावनाएं बढ़ेंगी।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत ने बताया कि आज रवाना की गई 11 एम्बुलेंस की तैनाती जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में की जाएगी, जिनमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुसौर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लैलूंगा, जिला अस्पताल केजीएच-1 रायगढ़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तमनार, जिला अस्पताल केजीएच-2 रायगढ़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कापू, सिविल अस्पताल खरसिया।

CRPF-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, जंगलों में छिपाए गए विस्फोटक और हथियार जब्त; बड़ी साजिश नाकाम

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । जिले में नक्सल विरोधी अभियान के बीच सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। सीआरपीएफ की 85वीं बटालियन और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने जंगलों में छिपाकर रखे नक्सलियों के दो डंप बरामद कर भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री जब्त की है। 85वीं बटालियन द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक, गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत 31 मार्च को गंगालूर थाना क्षेत्र के पेद्दाजोजेर, एन्डरी, लेण्ड्रा और कोरचोली के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

पहले डंप में मिला खतरनाक सामान

पेद्दाजोजेर के दुर्गम इलाके में मिले पहले डंप से 2 नग .303 राइफल, 94 जिंदा कारतूस, 9 एमएम राउंड, डेटोनेटर, भरमार बंदूकें, वॉकी-टॉकी, बाइनाकुलर, देशी बीजीएल लॉन्चर, बीजीएल राउंड, जिलेटिन स्टिक, मोर्टार बम और कार्डेक्स वायर समेत बड़ी मात्रा में सामान बरामद हुआ।

दूसरे डंप में भारी हथियारों का जखीरा

इसके बाद लेण्ड्रा इलाके में सर्च के दौरान दूसरा डंप मिला। यहां से 303 राइफल, 4 भरमार बंदूकें, देशी व फैक्ट्री मेड स्टेन गन, 87 बीजीएल राउंड, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, सल्फर, यूरिया, कार्डेक्स वायर और अन्य सामग्री जब्त की गई।

इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी

कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। सुरक्षा बल आसपास के जंगलों में लगातार तलाशी ले रहे हैं और नक्सल गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं।

कलेक्टरेट परिसर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई हनुमान जयंती

बेमेतरा/मूक पत्रिका

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर कलेक्टरेट परिसर स्थित हनुमान मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई एवं पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने विधि-विधान से भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना कर जिले की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रदेश एवं जिले के नागरिकों के जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रहने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में कलेक्टरेट परिसर के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात सभी ने प्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दीं। हनुमान जयंती के अवसर पर जिले के विभिन्न मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर भी विशेष पूजा-पाठ, सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरे जिले में भक्ति एवं आस्था का वातावरण बना रहा।

भक्ति और आस्था का संदेश

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि भगवान हनुमान की भक्ति हमें शक्ति, साहस और सेवा भाव का संदेश देती है। हनुमान जयंती का पर्व समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता और समर्पण की भावना को मजबूत करता है।

मिंशियल गैस सिलेण्डर के दाम आज से 1580 से बढ़कर 1691 हो गया

मोदी सरकार की आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफ्लता के कारण महंगाई बढ़ गयी - कांग्रेस

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर में आज कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष बसंत यादव ने निम्न जानकारी दी। मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफ्लता के कारण महंगाई बढ़ गयी है। मोदी सरकार ने एक बार फिर कमर्शियल गैस के दाम में 195 रू. की बढ़ोतरी कर दिया। इसके पहले तीन महीने में कमर्शियल गैस के दाम में 525 रू. की बढ़ोतरी हुई थी, पिछले हफ्ते ही मोदी सरकार ने घरेलू गैस के दाम में 62 रू की बढ़ोतरी कर दिया। सरकार ने खूब वाहवाही लिया कि पेट्रोल, डीजल पर एक्साइज कम कर दिया भाजपा 50 नेता इसको सरकार की बड़ी राहत प्रचारित ? कर रहे थे लेकिन आज ही पेट्रोल के दाम में 191 रू. से अधिक की बढ़ोतरी अलग-अलग राज्यों में हुई है। नायरा के पेट्रोल पंप में तो यह बढ़ोतरी 4 रू. की है। एवीएशन के पेट्रोल मे भी बढ़ोतरी कर दीं गयी जिससे हवाई यात्रा भी महगी हो गई। खाद्य तेल, मावा, राशन सामग्री सभी के दाम बेतहाशा बढ़ गये है। दूध के दाम भी बढ़ गये। आम आदमी के किचन का बजट मोदी सरकार ने बढ़ा दिया है। खाद्य तेल को 70 रुपए प्रति लीटर तक पहुंचने में 70 साल लग गए थे, लेकिन मोदी राज के चंद दिनों में ही 200 पार हो गया। घरेलू गैस सिलेंडर जो भाजपाइयों को 400 रुपए में महंगा लगाता था, उसे 900-1000 तक पहुंचा दिए, कर्मिशयल गैस सिलेण्डर के दाम आज से 1580 से बढ़कर 1691 हो गया है। भाजपा सरकारों को जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है भारतीय जनता पार्टी की सरकार में आम आदमी का जीवन स्तर दिनों दिन खराब हुआ है, सारी राहत और रियायत केवल भाजपाइयों के पूंजीपति मित्रों के लिए है, देश के संसाधन, सार्वजनिक उपक्रम उन्हीं पर लुटाए जा रहे हैं, आम जनता इस महंगाई में परिवार पालने के लिए संघर्ष कर रहा है। मनमोहन सिंह के नेतृत्व में पूर्ववर्ती यूपीए की सरकार ने मनरेगा के नाम से रोजगार की कानूनी गारंटी का प्रावधान किया था जिसे मोदी सरकार ने महज़ योजना में परिवर्तित कर गरीबों का रोजगार का हक छीन लिया है, आम जनता की कमाई लगातार घट रही है, देश के संसाधनों पर मोदी के पूंजीपति मित्रों का एकाधिकार स्थापित किया जा रहा है, देश में आर्थिक असमानता सरकार की गलत नीतियों की वजह से ही बढ़ रहा है, बेलगाम महंगाई से आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है। महंगाई आम जनता के लिए भाजपा निर्मित आपदा बन चुकी है, रेलवे की टिकट से लेकर स्कूल, कॉलेजों की फीस तक सब कुछ कई गुना बढ़ चुका है। सरकार के संरक्षण में तरह-तरह के सेवा शुल्क लगाकर बैंक, आम खातेधारकों को खुलेआम लूट रही है। पेट्रोल, डीजल से लेकर दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि ने आम जनता का बजट बिगाड़ दिया है। आज कांग्रेस कि प्रेस वार्त मे प्रदेश सचिव जनक नंदन जी, प्रदेश महामंत्री नरेश ठाकुर, महामंत्री संघठन एवं प्रशासन उदय प्रकाश शर्मा, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष यशीन कराणी, राजेंद्र साहू, पोरषोतम सिन्हा, लोमेन्द्र यादव, अजय सींग रेणु, विजय यादव, मुकेश तिवारी, ओम प्रकाश देवांगन, राजू दुबे, अजय भासवानी शिवांकित श्रीवास्तव, सुमित राय, शेष गजबीये, मनोज जैन, कमल नागवंशी, अमन गायकवाड, एवं विनय ठाकुर, खोमेंद्र उइके एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने वित्त वर्ष 2026 में 63.69 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

नईदिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. (HMSI) ने मार्च 2026 में कुल 5,49,145 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो मार्च 2025 के मुकाबले 29त्न की मजबूत वृद्धि दर्शाती है। इस अवधि में 5,12,303 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 36,842 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। मार्च के इस प्रदर्शन ने एचएमएसआई को वित्त वर्ष 2026 (अप्रैल 2025 – मार्च 2026) को मजबूत स्तर पर समाप्त करने में मदद की। कंपनी ने कुल 63,69,504 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जिसमें 57,49,275 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 6,20,229 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में 9त्न की वृद्धि दर्ज की, जो ग्राहकों की लगातार मांग, बेहतर होते बाजार माहौल और प्रमुख सेगमेंट्स में अपनी मौजूदगी मजबूत करने पर एचएमएसआई के निरंतर फोकस को दर्शाता है। यह वर्ष घरेलू और निर्यात बाजारों में संतुलित प्रदर्शन का गवाह रहा, जिसे मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और गुणवत्ता, विश्वसनीयता तथा ग्राहक संतुष्टि पर निरंतर फोकस का समर्थन मिला। एचएमएसआई अपने 7000 से अधिक टचपॉइंट्स के माध्यम से ग्राहकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने वाले उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हुए अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने Q1 CY26 में हासिल की 10 लाख से अधिक एसी की बिक्री – कंपनी के मार्केट लीडरशिप को मिली मजबूती

नई दिल्ली: एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया (एलजीई इंडिया) ने आज 2026 की पहली तिमाही में 10 लाख से अधिक एयर कंडीशनर की बिक्री की घोषणा की। यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारत में कंपनी के इतिहास में गर्मी के मौसम की सबसे तेज़ और सबसे मजबूत शुरुआत है। यह माइलस्टोन न केवल एलजीई इंडिया की काम करने की बेहतरीन क्षमता औरसप्लाई चेन की तेज़ी को दिखाती है, बल्कि भारत के तेज़ी से बढ़ते और कड़े मुकाबले वाले एयर कंडीशनर बाज़ार में एक मज़बूत लीडर के रूप में इसकी स्थिति को भी मजबूत करता है। इस उपलब्धि का एक मुख्य चालक सीजन से काफी पहले अपने नए बीईई (BEE) स्टार-रेटेड अनुपालन वाले एसी लाइन-अप को लॉन्च करने के संबंध में एलजीई इंडिया का फर्स्ट-मूवर लाभ था, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि खुदरा भागीदार और ग्राहक बिना किसी बाधा के बेहतर, ऊर्जा-कुशल उत्पादों को सहजता से अपना सकें। इसके पूरक के रूप में, आईसीसी विश्व कप के दौरान एलजीई इंडिया के मार्केटिंग अभियान ने बड़े पैमाने पर शानदार पहुंच और उपभोक्ता जुड़ाव भी प्रदान किया, जिससे अभूतपूर्व ब्रांड प्रमुखता और खरीदारी की इच्छा बढ़ी। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बात करते हुए, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री होंग जू जियोन ने कहा, एक ही तिमाही में 10 लाख एसी की बिक्री का आंकड़ा पार करना केवल एक व्यावसायिक माइलस्टोन नहीं है – यह उस भरोसे का एक शक्तिशाली प्रमाण है जो लाखोंग्राहक हर दिन एलजी पर रखते हैं।

डेटॉल ने लॉन्च किया नया कैंपेन, मां की सुरक्षा की भावना को किया सेलिब्रेट, देखभाल के हर मौके पर डेटॉल की अहम भूमिका को करता है मजबूत

नईदिल्ली। डेटॉल, भारत का प्रमुख जर्म प्रोटेक्शन ब्रांड, अपने आइकॉनिक डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड के लिए एक नया भावनात्मक कैंपेन लेकर आया है। यह कैंपेन भावनाओं पर आधारित कहानी के जरिए परिवारों के साथ ब्रांड के जुड़ाव को मजबूत करता है और इसकी बेजोड़ सुरक्षा को उजागर करता है। मां की सहज देखभाल की भावना पर आधारित यह कैंपेन एक सरल संदेश देता है: मां और डेटॉल जैसी सुरक्षा कोई नहीं देता। कई पीढ़ियों से डेटॉल सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि मुश्किल समय में भरोसेमंद साथी रहा है। नई फिल्म इसी भावना को एक शादी के घर की चहल-पहल भरे माहौल में एक कोमल पल के जरिए दिखाती है। जश्न के बीच एक छोटा लड़का खुद को चोट लगने के बाद भी उसे सबसे छिपा लेता है और बहादुरी दिखाने की कोशिश करता है। लेकिन जैसे ही वह अपनी मां के पास पहुंचता है, मां तुरंत महसूस कर लेती है कि कुछ ठीक नहीं है। जब वह डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड से उसकी चोट साफकरती है, तो लड़का अपनी झिझक छोड़ देता है और उसका दर्द सामने आ जाता है। इसके बाद एक भावुक पल आता है, जहां भूमिकाएं बदल जाती हैं और वही बच्चा अपनी मां को सांत्वना देता है। फिल्म का अंत इस संदेश के साथ होता है: अपनों की सुरक्षा का मजबूत सहारा।

पत्रकारों से बदसलूकी पर इस्राइली सेना की कार्रवाई

बटालियन निलंबित; सेनाध्यक्ष ने जताया खेद

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने वेस्ट बैंक के जुडिया और सामरिया इलाके में पत्रकारों के साथ अपने सैनिकों के गलत व्यवहार को स्वीकार किया है। चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ की अगुवाई में हुई एक आंतरिक जांच के बाद सेना ने यह कदम उठाया है। यह मामला 'एरिया ए' में एक अवैध चौकी को खाली कराने के अभियान से जुड़ा है। इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ ने पत्रकारों के प्रति सैनिकों के आचरण की जांच पूरी कर ली है। जांच में पाया गया कि पत्रकारों के साथ व्यवहार के दौरान सैनिकों से कई गलतियां हुईं। रिपोर्ट के अनुसार, सैनिकों के व्यवहार के तरीके में कमियां थीं और उन्होंने सेना के आदेशों का उल्लंघन किया। सैनिकों ने प्रेस के सदस्यों के साथ बातचीत के लिए तय किए गए नियमों का पालन नहीं किया। जांच के नतीजों से पता चला कि उस

इलाके में तैनात सैनिकों ने सैन्य प्रोटोकॉल को नजरअंदाज किया। ऑपरेशन वाले क्षेत्रों में पत्रकारों के साथ कैसे पेश आना है, इसके लिए बने नियमों को तोड़ा गया। इन गलतियों ने यूनिट के अनुशासन और नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन कमियों को देखते हुए इस्राइली सेना ने तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की है। सेना ने उस इलाके में तैनात बटालियन के ऑपरेशनल तैनाती को तुरंत निलंबित कर दिया है। सेना ने अपना रुख साफ करते हुए कहा कि वह प्रेस की आजादी का सम्मान करती है और उसे बढ़ावा देती है। सेना ने इस घटना पर गहरा खेद जताया है। यह कदम मीडिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह भरोसा दिलाने के लिए उठाया गया है कि सेना प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्ध है। मुख्य सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने इस मामले पर कड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने इसे एक गंभीर नैतिक घटना बताया जो सेना के मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हर सैनिक भर्ती के समय शपथ लेता है कि हथियारों का इस्तेमाल केवल मिशन को पूरा करने के लिए होगा। हथियारों का इस्तेमाल कभी भी बदला लेने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ किया कि इस्राइली सेना के भीतर ऐसी घटनाओं को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। वेस्ट बैंक में अवैध बस्तियों को खाली कराना हमेशा से एक संवेदनशील और विवादित प्रक्रिया रही है। इन अभियानों के दौरान अक्सर पत्रकार, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग वहां मौजूद रहते हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने ईरान युद्ध से पैसा बनाने की कोशिश की, रिपोर्ट के दावे पर पेंटागन ने दिया जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ एक बार फिर विवाद में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान पर हमले से कुछ सप्ताह पहले पीट हेगसेथ का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रोकर ने रक्षा केंद्रित फंड में निवेश करने की कोशिश की थी। रायटर्स ने फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि एक ब्रोकर, जो

मॉर्गन स्टेनली के साथ काम करता है, उसने फरवरी में दिग्गज निवेशक कंपनी ब्लैकरॉक से संपर्क किया था। ब्रोकर ने ब्लैकरॉक को डिफेंस इंडस्ट्रियल एक्टिव ईटीएफ में निवेश के लिए मनाने की कोशिश की थी। यह ब्रोकर रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का भी प्रतिनिधित्व करता है। ब्लैकरॉक का 3.2 अरब डॉलर का इक्विटी फंड उन कंपनियों पर फोकस करता है, जो सरकारी रक्षा खर्च से मिलने वाले फायदे पर फोकस करती हैं। भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति में इ कंपनियों का फायदा और बढ़ जाता है। इन कंपनियों में आरटीएक्स, लॉकहीड मार्टिन और नॉर्थरॉप ग्रुमन जैसी कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों के अमेरिकी रक्षा विभाग के साथ नजदीकी संबंध हैं। हालांकि प्रस्तावित निवेश फाइनल नहीं हो सका।

डेट्रॉइट में यहूदी मंदिर पर हमले का हिजबुल्ला कनेक्शन; एफबीआई बोला

आरोपी ने वीडियो में बताए थे खतरनाक इरादे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन के डेट्रॉइट इलाके में मार्च की शुरुआत में एक यहूदी मंदिर (सिनेगॉग) पर ट्रक से हुए हमला के मामले में एक बड़ी खबर सामे आ रही है। मामले में अब फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने सोमवार को बड़ा दावा करते हुए बताया कि हमला करने वाला व्यक्ति अयमान गजाली ईरान समर्थित आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह से प्रेरित था। डेट्रॉइट में एफबीआई की प्रमुख जेनिफर रन्यान ने कहा कि गजाली ने हमले से पहले एक वीडियो बनाकर अपनी हिंसक मंशा जाहिर की थी। वीडियो में उसने कहा था कि वह जितने ज्यादा लोग मार सके, मारना चाहता है। बता दें कि ये घटना बीते 12 मार्च की है। हमले का शिकार मंदिर 'टेम्पल इस्राइल' है, जो 'रिफॉर्म यहूदी धर्म' का हिस्सा है। यह यहूदी धर्म की सबसे बड़ी शाखा है और सामाजिक न्याय और समानता जैसे मुद्दों पर जोर देती है। मंदिर की स्थापना 1941 में डेट्रॉइट में हुई थी। 1980 के दशक में इसे वेस्ट ब्लूमफील्ड में ले जाया गया। अब इसके 12,000 से अधिक सदस्य हैं।

अब समझिए पूरा घटना क्रम

एफबीआई के अनुसार डियरबॉर्न हाइट्स में रहने वाला गजाली मंदिर की पार्किंग में कुछ घंटों तक रुका रहा। इसके बाद उसने बंद दरवाजों को तोड़कर अपना पिकअप ट्रक मंदिर के अंदर घुसा दिया। ट्रक बच्चों के कक्षा वाले वाले हिस्से में पहुंच गया और वहां एक सुरक्षा गार्ड को टक्कर मार दी। उसके बाद गजाली ने एक और सुरक्षा गार्ड के साथ गोलीबारी की और अंत में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। हमले के समय ट्रक में आग लग गई थी और उसमें कई पेट्रोल के डिब्बे और बड़े पटाखे रखे हुए

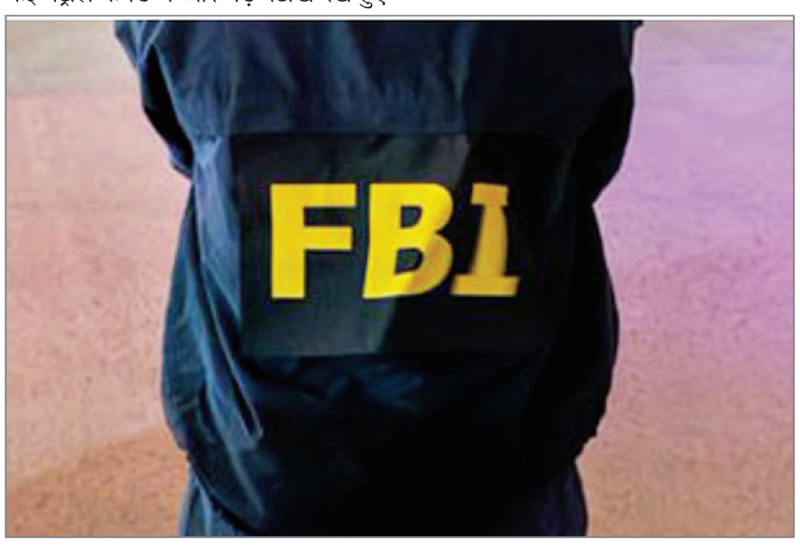

थे। गजाली की पत्नी ने पहले दी थी चेतावनी

हालांकि गनीमत रही कि मंदिर में मौजूद 150 बच्चों और कर्मचारियों में किसी को चोट नहीं आई। बचाव दल ने तुरंत सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दूसरी ओर 911 कॉल रिकॉर्डिंग से पता चला कि हमले से पहले गजाली की पहली पत्नी ने पुलिस को फोन करके चेतावनी दी थी। उसने कहा था कि वह बहुत परेशान है और खुदकुशी कर सकता है। उसकी मानसिक हालत इसलिए बिगड़ी थी, क्योंकि लेबनान में इस्राइल की बमबारी में उसके कई परिवार के सदस्य मारे गए थे।

हिजबुल्ला का कमांडर था गजाली का भाई

दूसरी ओर दावा तो इस बात का भी किया जा रहा है कि गजाली का भाई इब्राहिम गजाली लेबनान में हिजबुल्ला का कमांडर था। अमेरिकी अधिकारियों ने भी बताया कि गजाली के परिवार का हिजबुल्ला से संबंध था। गौरतलब है कि हिजबुल्ला 1982 में लेबनान में बना था। इसका मुख्य मकसद शुरू में दक्षिणी लेबनान पर इस्राइल के कब्ज़े को खत्म करना था। हालांकि अब यह पूरी तरह से इस्राइल को खत्म करना चाहता है। अमेरिका ने इसे कई वर्षों से आतंकवादी संगठन घोषित किया हुआ है। हिजबुल्ला एक राजनीतिक दल भी है और इसके सदस्य लेबनान की संसद में हैं।

सिगरेट पीने जितना ही खतरनाक है वेपिंग का शौक, नई रिसर्च में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के रिसर्चर्स ने एक बड़ी चेतावनी दी है कि वेपिंग (ई-सिगरेट) सिगरेट पीने से ज़्यादा सुरक्षित नहीं है और इससे फेफड़ों के साथ-साथ मुंह का कैंसर भी हो सकता है।

इंटरनेशनल डेस्कः ऑस्ट्रेलिया के रिसर्चर्स ने एक बड़ी चेतावनी दी है कि वेपिंग (ई-सिगरेट) सिगरेट पीने से ज्यादा सुरक्षित नहीं है और इससे फेफड़ों के साथ-साथ मुंह का कैंसर भी हो सकता है। सिडनी की न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट्स ने 2017 और 2025 के बीच पब्लिश हुई साइंटिफिक स्टडीज का रिव्यू करने के बाद यह नतीजा निकाला है।

रिसर्च की सबसे चिंताजनक बातों में से एक यह है कि वेपिंग से यूजर के डीएनए में बदलाव हो सकते हैं, जिससे सेल में खराबी आ सकती है, जो सीधे कैंसर से जुड़ा है। यह सांस की नली के टिशू को नुकसान पहुंचाता है और मुंह के माइक्रोबायोम को बदलता है, जिससे सूजन और मुंह के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

जो लोग पारंपरिक सिगरेट पीते हैं और वेप भी करते हैं, उन्हें सबसे ज्यादा खतरा होता है। ऐसे लोगों में फेफड़ों के कैंसर का खतरा चार गुना ज्यादा पाया गया है। स्टडी के मुख्य लेखक, प्रोफेसर बर्नार्ड स्टीवर्ट ने साफ किया कि वेपिंग सुरक्षित होने के मामले में किसी भी चीज का विकल्प नहीं है; यह खतरनाक है।

युवाओं पर बुरा असर

रिपोर्ट में एक 19 साल के नौजवान का मामला बताया गया है, जिसे वेपिंग की हिस्ट्री की वजह से गंभीर ओरल कैंसर हो गया, जो आमतौर पर इस उम्र में बहुत कम होता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हालांकि वेप में सिगरेट की तरह टार नहीं होता, लेकिन इसमें फॉर्मेल्डिहाइड जैसे जहरीले केमिकल होते हैं जो शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और डीएनए में बदलाव लाते हैं।

प्रोफेसर फ्रेडी सिटास ने कहा कि यह मानना पूरी तरह से गलत है कि वेपिंग सेफ है। उन्होंने इसकी तुलना इस बात से की कि चाकू मशीन गन से कम खतरनाक होते हैं क्योंकि वे एक बार में कम लोगों को मार सकते हैं और चेतावनी दी कि हमें सिगरेट के नुकसान की तरह सबूत जमा होने के लिए 100 साल तक इंतजार नहीं करना चाहिए, बल्कि अभी से कड़े कदम उठाने चाहिए। ब्रिटेन जैसे देश अभी युवाओं में वेपिंग के बढ़ते चलन को रोकने के लिए डिस्पोजेबल वेप्स पर बैन लगाने जैसे कदम उठा रहे हैं। रिसर्चर्स ने सलाह दी है कि वेपिंग को स्मोकिंग छोड़ने के सेफ तरीके के तौर पर पेश नहीं किया जाना चाहिए।

पश्चिम एशिया में तनाव: इराक में अमेरिकन यूनिवर्सिटी पर हमला; तेल-ऊर्जा के बाद शिक्षा संस्थान जंग का नया मोर्चा

बगदाद, एजेंसी। प्रेस टीवी के अनुसार, इराक के सुलेमानिया में स्थित अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ इराक, सुलेमानी पर मंगलवार सुबह हमला किया गया। हालांकि, इस घटना पर अब तक यूनाइटेड स्टेट्स और इस्राइल की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब हाल के दिनों में ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान ने आरोप लगाया है कि उसकी यूनिवर्सिटियों और वैज्ञानिक संस्थानों को निशाना बनाया जा रहा है। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक, ईरान के विज्ञान और स्वास्थ्य मंत्रियों ने संयुक्त बयान जारी कर अमेरिका और इज़राइल की कड़ी आलोचना की है। बयान में कहा गया कि मार्च 2026 से कई विश्वविद्यालयों और रिसर्च संस्थानों पर हमले हुए हैं। इनमें ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, शिराज यूनिवर्सिटी की फार्मेसी फैकल्टी, इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी और उर्मिया यूनिवर्सिटी का साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क शामिल हैं। इन हमलों में शिक्षा और रिसर्च ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, साथ ही कई शिक्षकों और

शोधकर्ताओं की जान भी गई है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बघई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि इन हमलों का मकसद ईरान की वैज्ञानिक नींव और सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करना है। इस बीच इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढक्रत्रष्ट) ने 29 मार्च को अमेरिका को अल्टीमेटम जारी किया था। इसमें मांग की गई थी कि ईरान की यूनिवर्सिटियों पर हुए हमलों की निंदा की जाए।

भारत आने वाले ईरानी विमान पर अमेरिका का हमला

तेहरान ने कड़ी निंदा की; मानवीय मिशन बाधित

तेहरान, एजेंसी। ईरान भारत के लिए उड़ान भर रहे मानवता मिशन विमान पर अमेरिकी हवाई हमले के बाद आगबबूला है। घटना के बाद ईरान ने इसे युद्ध अपराध करार दिया और अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। रिपोर्टों के अनुसार, महान एयर का यह विमान ईरान के मशहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाला था। यह विमान मानवीय सहायता मिशन के लिए नई दिल्ली आने वाला था, जहां से उसे राहत सामग्री ले जानी थी। हमले से विमान क्षतिग्रस्त हो गया और पूर्व नियोजित मानवीय सहायता मिशन बाधित हो गया।

भारत में ईरानी दूतावास ने कहा कि सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन के नियमों के अनुसार, मानवीय मिशनों में लगे नागरिक विमानों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। दूतावास ने लिखा दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों को ले जा रहे इस ईरानी विमान पर हमला करना युद्ध अपराध है। ईरानी दूतावास ने बताया कि शिकागो कन्वेंशन (1944) और मॉन्ट्रियल कन्वेंशन (1971) के तहत, नागरिक विमानों पर हमले अंतरराष्ट्रीय अपराध माने जाते हैं। इसके अलावा जिनेवा कन्वेंशन के अतिरिक्त प्रोटोकॉल ढ्ढ, अनुच्छेद 52 के अनुसार, नागरिक वस्तुओं पर हमले, जिनमें मानवतावादी सहायता विमान भी शामिल हैं, युद्ध अपराध में आते हैं। दूतावास ने अमेरिका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की मांग की है और कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

1 अप्रैल को नई दिल्ली पहुंचना था विमान: बताया जा रहा है कि यह विमान 1 अप्रैल सुबह 4:00 बजे पहुंचने वाला था। इस

घटना के बाद देश में नागरिक उड्डयन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बता दें कि, महान एयर एक निजी स्वामित्व वाली ईरानी एयरलाइन है जो पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिणपूर्व एशिया और पूर्वी एशिया के कई देशों में उड़ानें संचालित करती है।

क्षतिग्रस्त हुए विमान को भारत से दवाइयों सहित 11 टन मानवीय सहायता ईरान ले जानी थी। पहले की खेपों में भारतीय उड़ानों का इस्तेमाल नहीं किया गया था। ईरान के लिए भारत की पहली सहायता खेप 18 मार्च 2026 को भेजी गई थी। तब भारत ने कहा था कि यह सहायता दोनों देशों के बीच दोस्ती और सभ्यतागत संबंधों का प्रतीक है।

संघर्ष के बीच बड़ी तैयारी में ट्रंप, समझिए कैसे ईरान की बढ़ गई मुश्किलें

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक महीने से ज्यादा समय से जारी संघर्ष के बीच अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक बड़ी रणनीति सामने आई है। जारी हमलों के बीच अब ट्रंप प्रशासन होर्मुज की खाड़ी पर अपना नियंत्रण वापस लेने की तैयारी कर रहा है। इस बात की जानकारी अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने दी। फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में बेसेंट ने कहा कि जल्द ही या तो अमेरिकी जहाजों या कई देशों के संयुक्त जहाजों के जरिए अमेरिका का नियंत्रण होर्मुज जलडमरूमध्य पर होगा। बेसेंट ने आगे बताया कि फिलहाल कुछ देश ईरान के साथ समझौते करके अपने जहाजों को जलडमरूमध्य पार करा रहे हैं। लेकिन समय के साथ अमेरिका इसे पूरी तरह नियंत्रित करेगा और वहां जहाजों को सुरक्षित रूप से गुजरने की स्वतंत्रता सुनिश्चित करेगा। उन्होंने अपने बयान में इस बात पर जोर दिया कि बाजार में तेल की आपूर्ति अच्छी है और रोजाना कई जहाज़ जलडमरूमध्य से गुजर रहे हैं। लेकिन अंततः अमेरिका इस रास्ते पर फिर से नियंत्रण स्थापित करेगा।

होर्मुज को लेकर वैश्विक चिंताएं: बेसेंट का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते होर्मुज

जलडमरूमध्य को लेकर वैश्विक चिंता सातवें आसमान पर पहुंच गई है। इसका कारण है कि होर्मुज दुनिया के तेल प्रवाह का एक अहम मार्ग है और यह लगभग विश्व के एक पांचवें हिस्से के तेल के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह योजना वैश्विक समुद्री और तेल बाजारों पर बड़े पैमाने पर असर डाल सकती है।

रुबियो बोले- ईरान की नौसेना और मिसाइल लॉन्चरों को नष्ट कर रहे: दूसरी ओर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने एबीसी न्यूज को बताया कि अमेरिका ने ईरान की नौसेना और रक्षा उद्योग को महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ईरान को हमेशा के लिए खाड़ी पर कब्जा करने की अनुमति नहीं देंगे और अमेरिका अपने उद्देश्यों को कुछ ही हफ्तों में हासिल कर लेगा। रूबियो ने कहा कि हम ईरान की नौसेना और मिसाइल लॉन्चरों को नष्ट कर रहे हैं और उनके रक्षा उद्योग को भी कमजोर कर रहे हैं, ताकि वे भविष्य में नए मिसाइल या ड्रोन न बना सकें।

ईरान की धमकियों पर बिफरे रुबियो: रुबियो ने खाड़ी के नियंत्रण पर ईरान की धमकियों पर भी चेतावनी दी। रूबियो ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास कई विकल्प मौजूद हैं और अगर ईरान खाड़ी पर कब्जा करने की कोशिश करेगा, तो अमेरिका उसे रोकने के लिए कार्रवाई करेगा। हालांकि ईरान ने अमेरिकी दावों को खारिज किया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बगहेई ने कहा कि अमेरिका की बातचीत और कूटनीति की बातें विश्वसनीय नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका बार-बार अपनी स्थिति बदलता रहा है, जबकि ईरान ने हमेशा स्पष्ट रुख अपनाया है।

पाकिस्तान की बातचीत बैठक से ईरान ने बनाई दूरी

ईरान ने हाल ही में पाकिस्तान के शाहीबाज शरीफ द्वारा आयोजित चार देशों की बैठक में हिस्सा भी नहीं लिया। इन घटनाओं के बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत में सकारात्मक प्रगति हुई है। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही कोई समझौता नहीं हुआ और हॉर्मुज की खाड़ी खुली नहीं तो अमेरिका ईरान के बिजली प्लांट, तेल कुओं और खार्ग द्वीप को नष्ट कर देगा। गौरतलब है कि ये बयानबाजी और धमकियों की घटनाएं ऐसे समय पर सामने आई हैं जब अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष अब दूसरे महीने में प्रवेश कर चुका है।

ब्रीफ न्यूज

रांची में आज से शुरू होगी 16वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सब-जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप

मुंबई। 16वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सब-जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026 का शुभारंभ आज रांची में होगा। यह प्रतियोगिता इस महीने की 12 तारीख तक चलेगी। मैच आज सुबह से खेले जाएंगे जबकि उद्घाटन समारोह शाम 4:30 बजे आयोजित किया जाएगा। खेल एवं युवा कार्य विभाग के सचिव मुकेश कुमार उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

माल्टा और गोजो में खेले जाएंगे राष्ट्रमंडल युवा खेल: सैडलियर

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल युवा खेल अगले साल 29 अक्टूबर से चार नवंबर तक माल्टा और गोजो में खेले जाएंगे। इन खेलों का उद्घाटन समारोह 29 अक्टूबर को होगा जिसके बाद 30 अक्टूबर से चार नवंबर तक खेल स्पर्धायें होंगी। इससे युवाओं को अभी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। इन खेलों में आठ स्पर्धाएं तैराकी और पैरा तैराकी, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, नेटबॉल, सेलिंग, स्क्वाश, ट्रायथलॉन, वॉटर पोलो और भारोत्तोलन शामिल रहेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों की मुख्य कार्यकारी केटी सैडलियर ने कहा, माल्टा 2027 एक रोमांचक और अच्छे खेलों का वादा करता है। साथ ही कहा विश्व स्तर की सुविधाएं भी इसमें युवाओं को मिलेंगी जिससे भविष्य के सितारे निकलेंगे। इसके अलावा युवा खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इन खेलों में नौकायन और वाटर पोलो का भी पहली बार आयोजन होगा। माल्टा में राष्ट्रमंडल के 74 देशों और क्षेत्रों से लगभग 1,200 एथलीटों के 14 से 18 वर्ष की आयु वर्ग में भाग लेने की उम्मीद है।

वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले: माइकल वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र के पहले ही मैच में वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी की सराहना करते हुए कहा है उसे भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये। वैभव ने जिस प्रकार राजस्थान रॉयल्य की ओर से खेलते हुए चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 15 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया उससे वॉन हैरान हैं। वॉन ने कहा कि वैभव को अब आने वाले समय में इंग्लैड दौरे पर भेजना चाहिये। उनका मानना है कि इस उभरते हुए बल्लेबाज को एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार किया जाना चाहिये। वॉन के अनुसार अगर वैभव इंग्लैंड दौरे के लिए सीमित ओवरों के लिए अंतिम ग्यारह में भी जगह नहीं बना पाते, तो भी उन्हें तीन टी20 मैचों की टीम में शामिल किया जाना चाहिए। इससे उन्हें सीनियर खिलाड़ियों के साथ रहने और माहौल समझने का अनुभव मिलेगा।

सीए ने केन्द्रीय अनुबंध में 21 खिलाड़ियों को शामिल किया

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने नए केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा कर दी है। इसमें 21 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। वहीं ग्लेन मैक्सवेल सहित कई खिलाड़ियों को इसमें जगह नहीं मिली है। इस करार में कुछ नये खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। वहीं कुछ खिलाड़ियों को अधिक रकम मिली है। कॉन्सट्स, मैट रेनशॉ और झाय रिचर्डसन को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया ने नये टेस्ट खिलाड़ियों ब्रेंडन डॉगेट और जेक वेदरल्ड को इस बार शामिल किया है। वहीं माइकल नेसर और टॉड मर्फी को भी इस सूची में जगह मिली है।

अनुबंधित खिलाड़ी हैं। जेवियर बार्टलेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, ब्रेंडन डॉगेट, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, टॉड मर्फी, माइकल नेसर, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर और एडम जैम्पा। सीए के अनुसार जिन खिलाड़ियों के साथ अनुबंध नहीं है, वे अगले 12 महीनों में अनुबंध पा सकते हैं।

4 बार का चैंपियन इटली फीफा वर्ल्डकप नहीं खेल

लगातार तीसरी बार क्वालिफायर राउंड से बाहर; 11 जून से है टूर्नामेंट

मुंबई। इटली लगातार तीसरी बार फीफा वर्ल्ड कप में जगह बनाने से चूक गया। वर्ल्ड कप के यूरोपियन क्वालिफायर्स के फाइनल में उसे बोस्निया और हर्जेगोविना के हाथों पेनल्टी शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। फीफा वर्ल्ड कप अगले साल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में खेला जाएगा। यह वर्ल्ड कप का 23वां एडिशन होगा। इसके मुकाबले 16 शहरों में खेले जाएंगे। पहली बार टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं और मेजबानी एक साथ तीन देश कर रहे हैं। दूसरे हाफ में बोस्निया ने इसका फायदा उठाया और 79वें मिनट में हारिस तबकोविच ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। फुल टाइम और एक्सट्रा टाइम में कोई टीम बढ़त नहीं बना सकी, जिसके बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया। फ्रांस के ग्रुप में सेनेगल और नॉर्वे डफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना को ग्रुप जे में रखा गया है। स्पेन ग्रुप एच में है, फ्रांस ग्रुप आई में, जर्मनी ग्रुप ई में, पुर्तगाल ग्रुप

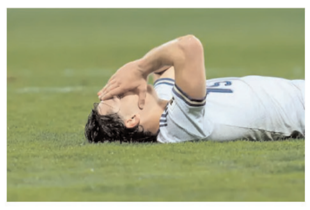

के में और इंग्लैंड ग्रुप एल में है। ग्रुप एच, आई, जे, के और एल को ग्रुप ऑफ डेथ माना जा रहा है, क्योंकि इनमें मजबूत टीमें हैं। स्पेन के ग्रुप में उरुग्वे और सऊदी अरब जैसी टीमें हैं, जिन्होंने पिछले वर्ल्ड कप में कई उलटफेर किए थे।

शूटआउट में एक ही गोल कर सकी इटली

शूटआउट में इटली की टीम दबाव में बिखर गई। पियो एस्पोसिटो और ब्रायन क्रिस्टांटे अपने पेनल्टी मिस कर बैठे, जबकि बोस्निया के एस्मिरा बाजराक्टरेविक ने निर्णायक गोल कर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। पेनल्टी शूटआउट में बोस्निया ने 4 और इटनी ने 1 गोल किया। हार के बाद इटली के डिफेंडर लियोनार्डो स्पिनजोला ने कहा, हमें अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि हम टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं और यह सब इस तरह से हुआ है।

फुल टाइम तक मैच 1-1 से ड्रॉ रहा

यूरोपियन क्वालिफायर्स का फाइनल आज जेनिका में खेला गया। चार बार की वर्ल्ड चैंपियन इटली के लिए शुरुआत अच्छी रही। मुकाबले के 15वें मिनट में मोइसे कीन ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, पहले हाफ के अंत से पहले ही डिफेंडर एलेसांद्रो बा स्तोनी को रेड कार्ड मिल गया, जिससे इटली 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने को मजबूर हो गया।

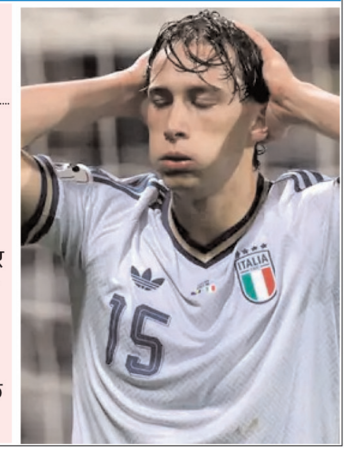

मैच-5 ● दिल्ली ने लखनऊ को लगातार पांचवां आईपीएल मैच हराया

समीर रिजवी ने शानदार अर्धशतक लगाया

लखनऊ पर जीत के साथ दिल्ली का शानदार आगाज

दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली ने 17.1 ओवर में 145 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया।

लुंगी एनगिडी और टी नटराजन की घातक गेंदबाजी के बाद समीर रिजवी और ट्रिस्टन स्टब्स की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हराकर आईपीएल 2026 की अपनी पहली जीत दर्ज की। बुधवार को लखनऊ को इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने 18.4 ओवर में 10 विकेट पर 141 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 17.1 ओवर में चार विकेट पर 145 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

खनऊ का निराशाजनक प्रदर्शन

इससे पहले लखनऊ की टीम 141 रन ही बना पाई थी। टीम को 19 के स्कोर पर कप्तान ऋषभ पंत (7) के रूप में झटका लगा। इसके बाद मिचेल मार्श ने एडेन मार्करम (11) के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 रन की साझेदारी की। मार्श ने टीम के खाते में 35 रन का योगदान दिया। टीम ने 71 के स्कोर तक अपना पांचवां विकेट खो दिया था। यहां से अब्दुल समद ने मुकुल चौधरी के साथ 34 रन और शाहबाज अहमद के साथ 33 रन की साझेदारी करते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। अब्दुल समद 25 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शाहबाज अहमद ने नाबाद 15 रन जुटाए। मुकुल ने टीम के खाते में 14 रन जोड़े। विपक्षी खेमे से लुंगी एनगिडी और टी नटराज ने तीन-तीन विकेट हासिल किए, जबकि कुलदीप यादव ने दो विकेट निकाले। एक विकेट अक्षर पटेल के नाम रहा।

रिजवी और स्टब्स की शतकीय साझेदारी से जीती दिल्ली

142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को पहली ही गेंद पर केएल राहुल (0) के रूप में झटका लगा। इसके बाद टीम ने 26 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। इस बीच पथुम निसांका एक रन, नीतीश राणा 15 रन और कप्तान अक्षर पटेल खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए थे। यहां से समीर रिजवी ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 76 गेंदों में 119 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 17 गेंदें शेष रहते जीत दिला दी। रिजवी 47 गेंदों में चार छक्कों और पांच चौकों के साथ 70 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि स्टब्स ने 39 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से प्रिंस यादव ने 20 रन देकर दो विकेट निकाले। मोहम्मद शमी और मोहसिन खान को एक-एक विकेट हाथ लगा।

रिजवी-स्टब्स की पार्टनरशिप

119 (76)

समीर रिजवी	ट्रिस्टन स्टब्स
70 (44)	39 (32)

आईपीएल में आज केकेआर और सनराइजर्स जीत के इरादे से उतरेंगे

कोलकाता। यहां के ईडन गार्डन में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीम अपने-अपने शुरुआती मुकाबले में हारी हैं, ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। पिछले आईपीएल सत्र में इन दोनों ही टीमों के बीच कुल दो मुकाबले खेले गए हैं जिसमें से एक केकेआर और एक सनराइजर्स हैदराबाद ने जीता था। इनके बीच अंतिम बार मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हुआ था जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने केकेआर को आसान से हराया था। केकेआर को इस बार कोलकाता में अपने घरेलू मैदान का लाभ मिल सकता है। इस मैदान पर खेले गए आखिरी पांच टी20 मैचों में से तीन मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीता है। ऐसे में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। इस मैच पर औसत स्कोर 165 के करीब रहा है। आंकड़ों की बात करें तो अब तक केकेआर और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 20 जबकि सनराइजर्स ने 10 जीते हैं।केकेआर की टीम को कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी और वरुण चक्रवर्ती जैसे खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। केकेआर अपने गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पिछले मैच में अर्धशतक लगाने वाले रहाणे एक बार फिर अच्छी शुरुआत दिलाने की कोशिश करेंगे।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

कोलकाता नाइट राइडर्स

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), कैमरून ग्रीन, फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा, और ब्लेसिंग मुजरबानी।

सनराइजर्स हैदराबाद

ईशान किशन (कप्तान/विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, और डेविड पायने।

विलियम्स ने टीम इंडिया के लिए छोड़ी ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता

दिल जहां, घर वहां; नाना ने 1956 में बंगाल को हराया था

कोच्चि। भारतीय फुटबॉल के लिए एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर का हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ मैच एक खास पल का गवाह बना। भारत ने मैच 2-1 से जीतकर टूर्नामेंट में अपना सफर खत्म किया। यह भारत की प्रतियोगिता में पहली और कोच्चि के मैदान पर भी पहली जीत रही। भारत की ओर से रयान विलियम्स (4') और आकाश मिश्रा (50') ने गोल किए। ऑस्ट्रेलियाई मूल के 32 वर्षीय रयान इस मैच में भारत के लिए डेब्यू कर रहे थे। 2014 में अराता इजुमी के बाद वह भारत के लिए खेलने वाले पहले विदेशी मूल के खिलाड़ी बने। रयान का पोर्ट्समाउथ और फुलहम जैसे इंग्लिश क्लबों से होते हुए कोच्चि तक का सफर अपनी जड़ों की ओर लौटने की कहानी है। रयान का जन्म ऑस्ट्रेलिया के

पर्थ में हुआ था और 2019 में वह ऑस्ट्रेलिया के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेल चुके थे। भारत से उनका नाता उनकी मां ऑड्रे से जुड़ता है, जो मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) के एक एंग्लो-इंडियन परिवार से ताल्लुक रखती हैं। रयान की रगों में भारतीय फुटबॉल का पुराना इतिहास दौड़ता है। उनके सगे नाना, लिंकी ग्रोस्टेट ने 1956 की प्रतिष्ठित संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल में बॉम्बे की तरफ से खेलते हुए मजबूत बंगाल के खिलाफ विजयी गोल दागा था। अपनी जड़ों की इसी पुकार ने रयान को 2022 में भारत खींचा, जब वह इंडियन सुपर लीग में बेंगलुरु एफसी से जुड़े। यहीं खेलते हुए भारतीय दिग्गज सुनील छेत्री ने उन्हें भारतीय राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के लिए प्रेरित किया।

भारत जुलाई में जिम्बाब्वे का दौरा करेगा

23 तारीख से 3 टी-20 मैच खेले जाएंगे

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम जुलाई 2026 में जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी। इस दौरे पर तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। सभी मुकाबले हरारे में होंगे। 23 जुलाई को पहला मैच बुधवार को जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज की तारीखों की पुष्टि की। 23 जुलाई को पहला टी-20 खेला जाएगा। 25 और 26 जुलाई को दूसरा और तीसरा मैच होगा। 2024 में 4-1 से सीरीज अपने नाम की थी भारत ने आखिरी बार 2024 में जिम्बाब्वे का दौरा किया था। उस समय कप्तानी शुभमन गिल ने संभाली थी। भारत ने

पहला मैच गंवाने के बाद वापसी की और सीरीज 4-1 से अपने नाम की थी। जिम्बाब्वे बोर्ड का बयान जिम्बाब्वे क्रिकेट के निदेशक गिवमोर मकोनी ने कहा कि भारत के खिलाफ मैच हमेशा दर्शकों में उत्साह पैदा करते हैं। उनके अनुसार, यह सीरीज घरेलू मैदान पर खिलाड़ियों के लिए खुद को परखने का अच्छा अवसर होगी।

जिम्बाब्वे भारत भी आएगी

जिम्बाब्वे टीम जनवरी 2027 में भारत दौरे पर आएगी। इस दौरान तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। मुकाबले कोलकाता (3 जनवरी), हैदराबाद (6 जनवरी) और मुंबई (9 जनवरी) में होंगे।

भारत का जिम्बाब्वे टी-20 दौरा

तारीख	मैच	स्थान
23 जुलाई 2026	पहला	हरारे
25 जुलाई 2026	दूसरा	हरारे
26 जुलाई 2026	तीसरा	हरारे

मैक्सिको में फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए जारी प्लेऑफ मुकाबलें में जीत के बाद विश्व कप के लिए प्रवेश मिलने से उत्साहित कांगो के खिलाड़ी।

भारत का रिकॉर्ड तोड़ा, केर ने 179 रन बनाए; साउथ अफ्रीका को 2 विकेट से हराया

न्यूजीलैंड का विमेंस वनडे में सबसे बड़ा रनचेज

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड ने विमेंस वनडे का सबसे बड़ा रनचेज कर लिया। टीम ने दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 विकेट से जीत हासिल की। अमेलिया केर की नाबाद 179 रन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने 348 रन का लक्ष्य 49.4 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल किया और सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

इसाबेला की पारी ने मैच पलटा

348 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सूजी बेट्स जल्दी आउट हो गईं। इसके बाद अमेलिया केर ने पारी संभाली और जॉर्जिया प्लिमर के साथ 52 रन की साझेदारी की।

मिडिल ओवर्स में टीम का स्कोर 130/4 हो गया था और मैच साउथ अफ्रीका की पकड़ में दिख रहा था। तभी केर को इसाबेला गेज का साथ मिला, जिन्होंने 48 गेंद में 68 रन बनाकर मैच का रुख बदल दिया। दोनों के बीच 120 रन की तेज साझेदारी हुई, जिसने न्यूजीलैंड को मुकाबले में वापस ला दिया।

साउथ अफ्रीका ने 346 रन बनाए थे

इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 346/6 रन बनाए थे। लौरा वोलवार्ट और एनेके बोश ने दूसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंत में क्लो ट्रायन ने 25 गेंद में नाबाद 52 रन बनाकर स्कोर 347 तक पहुंचाया।

न्यूजीलैंड ने रचा इतिहास

न्यूजीलैंड को जीत के लिए इतिहास रचना था, क्योंकि महिला वनडे क्रिकेट में इतना बड़ा लक्ष्य पहले कभी हासिल नहीं हुआ था। न्यूजीलैंड ने कप्तान अमेलिया केर की शतकीय पारी के दम पर इतिहास रचा और 2 विकेट से ऐतिहासिक जीत हासिल की। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरी अमेलिया 139 गेंद पर 23 चौकों और 1 छक्के की मदद से 179 रन बनाकर नाबाद रहीं। केर के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज इजी गेज ने 48 गेंदों पर 68 रनों की पारी खेली। केर और गेज के बीच 5वें विकेट के लिए 120 रन की अहम साझेदारी हुई।

केर ने 23 चौके लगाए

अमेलिया केर ने 139 गेंद में नाबाद 179 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। उन्होंने पहले पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। आखिर में केर ने ही चौका लगाकर मैच खत्म किया और टीम को यादगार जीत दिलाई।

न्यूजीलैंड ने तोड़ा भारतीय टीम का रिकॉर्ड

मैच में एक समय ऐसा भी था जब न्यूजीलैंड को आखिरी 72 गेंदों में 97 रन की जरूरत थी। टीम के पास 5 विकेट होते हुए भी लक्ष्य पाना मुश्किल था, लेकिन अमेलिया ने छठे विकेट के लिए इजी शार्प (11 रन) के साथ 40 और जेस केर (14 रन) के साथ सातवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी कर टीम की जीत को सुनिश्चित किया। न्यूजीलैंड ने 49.4 ओवर में 8 विकेट पर 350 रन बनाकर मैच 2 विकेट से जीता। अमेलिया केर प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। महिला क्रिकेट में इससे पहले सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड भारतीय टीम के नाम था। वनडे विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 339 रन का लक्ष्य दिया था। भारतीय टीम ने 48.3 ओवर में 5 विकेट पर 341 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीता था।

विमेंस वनडे के सबसे बड़े रनचेज

टीम	स्कोर	खिलाफ	मैदान	तारीख
न्यूजीलैंड	350/8	सा. अफ्रीका	वेलिंग्टन	2026
भारत	341/5	ऑस्ट्रेलिया	डीवाई पाटिल	2025
ऑस्ट्रेलिया	331/7	भारत	विशाखापट्टनम	2025
श्रीलंका	305/4	सा.अफ्रीका	पोटचेफस्ट्रूम	2024
ऑस्ट्रेलिया	289/6	न्यूजीलैंड	नॉर्थ सिडनी	2012

सारंगढ़–बिलाईगढ़ में अवैध खनन पर विभागीय कार्रवाई सवालों के घेरे में

अगले ही दिन फिर शुरू हुई खुदाई

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के गुड़ेली-टिमरलगा क्षेत्र में अवैध चूनापत्थर उत्खनन के मामले में खनिज विभाग की कार्रवाई अब गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, शिकायत मिलने पर 16 मार्च 2026 को राजस्व विभाग एवं खनिज अमले की संयुक्त टीम ने मौके का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अवैध उत्खनन में संलिप्त 10 मशीनों और वाहनों पर छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21(4)(5) के तहत कार्रवाई की गई।इसी दौरान प्रश्नाधीन क्षेत्र में संचालित मेसर्स शौर्य क्रशर उद्योग, प्रो. मुकुंद कुमार जैन के स्वीकृत भंडारण क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर क्रशर को सील कर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। संबंधित पक्ष को तीन दिनों के भीतर कलेक्टर कार्यालय की खनिज शाखा में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, इस कार्रवाई के बाद स्थिति ने नया मोड़ ले लिया है। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस स्थान पर विभाग ने अवैध खनन के खिलाफकार्रवाई की थी, वहां अगले ही दिन से दोबारा खुदाई शुरू हो गई। सूत्रों का दावा है कि जिन वाहनों और मशीनों पर कार्रवाई हुई थी, वे फिर से उसी क्षेत्र में सक्रिय नजर आए। इस पूरे घटनाक्रम ने विभागीय कार्रवाई की पारदर्शिता और वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। लोगों का कहना है कि यदि स्थल पर अवैध खनन पाया गया था और मशीनों पर कार्रवाई की गई थी, तो फिर अगले ही दिन उसी स्थान पर खुदाई कैसे शुरू हो गई? क्या कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित थी, या फिर बाद में किसी स्तर पर मौन स्वीकृति दे दी गई? सबसे बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि इतने लंबे समय बाद कार्रवाई को सार्वजनिक क्यों किया गया? स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि विभाग द्वारा देर से दी गई जानकारी किसी बड़े भ्रष्टाचार या पर्दादारी की ओर संकेत करती है। जनता के बीच अब यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या विभाग का यह दोहरा रवैया नहीं है–एक ओर अवैध खनन पर कार्रवाई, और दूसरी ओर अगले ही दिन उसी स्थान पर पुनः उत्खनन? यदि कार्रवाई के बाद भी खनन जारी है, तो क्या वह अब वैध मान लिया गया है, या फिर विभाग स्वयं अपनी कार्रवाई को कमजोर कर रहा है? फिलहाल पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के आधिकारिक स्पष्टीकरण का इंतजार है। विभाग की ओर से स्पष्ट बयान ही इस रहस्य से पर्दा उठा सकता है कि आखिर अवैध खनन के खिलाफ हुई कार्रवाई वास्तविक थी या केवल औपचारिकता।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष का आरोप : महंगाई के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार, गैस–ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी पर घेरा

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी ने देश में बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आरोप लगाया कि आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलताओं के कारण आम जनता पर महंगाई का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 195 रुपए की बढ़ोतरी की गई है, जबकि पिछले तीन महीनों में इसमें 525 रुपए तक की वृद्धि हो चुकी है। इसके अलावा घरेलू गैस के दाम भी हाल ही में बढ़ाए गए हैं, जिससे आम लोगों के किचन का बजट बिगड़ गया है। कांग्रेस नेता ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर भी सरकार को घेरा। उनका कहना है कि एक ओर एक्साइज ड्यूटी घटाने की बात कही जाती है, वहीं दूसरी ओर पेट्रोल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कुछ जगहों पर कीमतों में 4 रुपए तक की बढ़ोतरी देखने को मिली है। एविएशन फ्यूल के दाम बढ़ने से हवाई यात्रा भी महंगी हो गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि खाद्य तेल, दूध, राशन सामग्री सहित रोजमर्रा की चीजों के दाम तेजी से बढ़े हैं। इससे आम परिवारों का खर्च बढ़ गया है और जीवनयापन मुश्किल हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि खाद्य तेल की कीमतें कुछ सालों में ही 200 रुपए प्रति लीटर के पार पहुंच गई हैं। लालू राठौर ने कहा कि केंद्र की नीतियों का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच रहा है, जबकि बड़े उद्योगपतियों को फायदा मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के संसाधनों का फायदा चुनिंदा लोगों को दिया जा रहा है, जिससे आर्थिक असमानता बढ़ रही है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय मनरेगा जैसे कानून के जरिए रोजगार की गारंटी दी गई थी, लेकिन वर्तमान सरकार में गरीबों के हित कमजोर हुए हैं।

अंत में उन्होंने कहा कि महंगाई अब आम जनता के लिए बड़ी समस्या बन चुकी है। रेलवे किराया, शिक्षा शुल्क और बैंकिंग सेवाओं तक में बढ़ोतरी से लोगों की जेब पर असर पड़ रहा है। कांग्रेस ने सरकार से महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

खैरगुड़ा में सीसी सड़क का भूमिपूजन, ग्रामीणों में खुशी की लहर

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर विकास खंड के ग्राम पंचायत कुंडगुड़ा मधोता 02 में 15वां वित्त से स्वीकृत 4.24 लाख रुपए की लागत से 150 मीटर लंबी सीसी सड़क का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पुजारी कामेश मांझी सरपंच ईस्पर मंडावी और जिला पंचायत सदस्य शंकुतला कश्यप मुख्य रूप से उपस्थित थे। भूमिपूजन समारोह में मंडल अध्यक्ष सुखदेव मंडावी,नड़गू नाग,मनोज कुमार, सुरेश, नंदो,तुला, सुखराम, उर्धेश्वर ठाकुर, श्यामलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन शामिल हुए। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी, जिससे उनका जीवन आसान बनेगा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सड़क निर्माण के लिए विष्णु देव सरकार का आभार व्यक्त किया और विकास कार्यों में और तेजी लाने की मांग की। सरपंच ईस्पर मंडावी ने कहा, ÷ग्रामीणों का जीवन आसान बनाने के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है। इस सड़क के निर्माण से हमारे गांव का विकास होगा और लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। जिला पंचायत सदस्य शंकुतला कश्यप ने कहा, ÷यह सड़क ग्रामीणों के लिए वरदान साबित होगी। भाजपा सरकार गांवों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है और इस दिशा में और तेजी लाई जाएगी।

सरकारी जमीन पर अवैध फ्लाई ऐश डंपिंग की शिकायत, कार्रवाई की मांग

घरघोड़ा /मूक पत्रिका

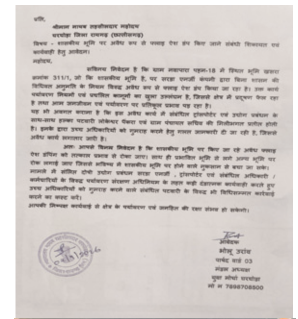

तहसील क्षेत्र में इस समय प्लांट से निकलने वाले राख को फेकने के लिए स्वर्ग बना हुआ है प्राप्त जानकारी अनुसार घरघोड़ा ग्राम नवापारा पहन 18 में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से फ्लाई ऐश डंप किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधि ने नायब तहसीलदार को आवेदन सौंपकर जाँच कर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

आवेदन में बताया गया है कि खसरा क्रमांक 311/1 की शासकीय भूमि पर सरड़ा एनर्जी कंपनी द्वारा बिना अनुमति के फ्लाई ऐश डंपिंग की जा रही है। यह कार्य पर्यावरण नियमों और प्रचलित कानूनों का उल्लंघन है, जिससे क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ रहा है और जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि इस अवैध कार्य में ट्रांसपोर्टरों और उद्योग प्रबंधन के साथ-साथ कुछ स्थानीय राजस्व कर्मचारियों एवं पंचायत से जुड़े लोगों की मिलीभगत हो सकती है, जिसके चलते गलत जानकारी देकर उच्च अधिकारियों को गुमराह किया जा रहा है और अवैध गतिविधि लगातार जारी है। आवेदक ने प्रशासन से मांग की है कि शासकीय भूमि पर हो रही अवैध डंपिंग को तत्काल प्रभाव से रोका जाए तथा फ्लाई ऐश को हटाकर अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। साथ ही दोषियों के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग की गई है।

जनप्रतिनिधि ने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो क्षेत्र के पर्यावरण और आम जनता के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। समय रहते कार्यवाई नहीं कि गई तो क्षेत्र हित के लिए आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा

हनुमान जयंती के अवसर पर बोईरदादर युवा क्लब के द्वारा विशाल भंडारा का आयोजन

रायगढ़/बोईरदादर/मूक पत्रिका

हनुमान जयंती पर को हनुमान मित्र मंडल कमेटी द्वारा शहर के बोईरदादर युवा क्लब के द्वारा विशाल भंडारा का आयोजन हुआ। भंडार में सैकडों श्रद्धालुओं को खीर का वितरण किया गयाइससे पूर्व भगवान श्रीराम के भक्त हनुमान जी महाराज की प्रतिमा पर विधिवत पूजा अर्चना हुई। जय श्री राम और जय हनुमान के जयघोष से आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया। आसपास चारों ओर हनुमान ध्वजा लहरा रहे थे। पूजा अर्चना के बाद भंडारा में श्रद्धालुओं को खीर पंडाल में जगह-जगह स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई थी। शांति व्यवस्था के लिए नगर पुलिस जगह-जगह मौजूद रही। इस बीच पूजा को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा गया। मौके पर कमेटी के अध्यक्ष आलोक ठाकुर, निक्की यादव, आनंद चौहान, अनिकेत गुप्ता, आशीष यादव सक्रिय रूप से शामिल रहे

केशकाल में हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई गई, निकली भव्य शोभायात्रा

केशकाल/मूक पत्रिका

हनुमान जयंती 2 अप्रैल को केशकाल में धूमधाम से मनाई गई केशकाल के बस स्टैंड में स्थित हनुमान मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था।

वहीं दिनभर भंडारे की व्यवस्था भी की गई थी। शाम होते ही भक्त जनों का आना हनुमान मंदिर के पास शुरू हो गया और डीजे के साथ हनुमान भगवान की झांकी के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई बस स्टैंड से शोभायात्रा सूरडोंगर टाटा मारी चौक तक पहुंची और टाटा मारी चौक से वापस बोरगांव तक शोभायात्रा मेन रोड होते हुए पहुंची। शोभा यात्रा को देखने के लिए ग्रामीण जन रोड पर पहले से ही खड़े नजर आए। शोभायात्रा में शामिल होने केशकाल के आसपास के ग्रामों से भी लोग पहुंचे शोभायात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर रखी थी। केशकाल पुलिस बल के अलावा कोंडागांव जिले के रिजर्व बल को भी केशकाल में सुरक्षा व्यवस्था के लिए हर चौक चौराहों पर लगाया गया था। हनुमान जयंती की शोभायात्रा में झांकी को लोग देख स्तब्ध रह गए प्रतिवर्ष हनुमान जयंती के अवसर पर केशकाल में शोभायात्रा निकाली जाती है। इस वर्ष की शोभायात्रा में केशकाल शहर एवं अन्य ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ो की संख्या में भक्तजन शामिल हुए।

बेमेतरा में यातायात व्यवस्था सुधारने टैक्सी स्टैंड चालकों की बैठक आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से बेमेतरा नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा एवं यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो ने टैक्सी स्टैंड (पीकअप वाहन चालकों) से जुड़े वाहन मालिकों, ड्राइवरों और परिचालकों की महत्वपूर्ण बैठक ली। यह बैठक नगर पालिका बेमेतरा में आयोजित की गई, जिसमें शहर में बढ़ती यातायात समस्या और आम नागरिकों को हो रही असुविधा पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वाहन मालिकों और चालकों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए तथा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान सभी वाहन चालकों और परिचालकों को यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए। उन्हें निर्धारित स्थानों पर ही वाहन खड़ा करने, नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन न लगाने, होटल और ढाबों के सामने सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने तथा केवल पार्किंग स्थल का उपयोग करने की समझाइश दी गई। बैठक में सिग्नल चौक पर लगे ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने, सिग्नल जंप न करने, शराब पीकर वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने और नियंत्रित गति से वाहन चलाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही सभी चालकों को वाहन के आवश्यक दस्तावेज–रजिस्ट्रेशन कार्ड, इंश्योरेंस और ड्राइविंग लाइसेंस–साथ रखने के निर्देश भी दिए गए।अधिकारियों ने यह भी कहा कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी जाए और पुलिस प्रशासन का सहयोग किया जाए। बैठक का मुख्य उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करना और आम नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना रहा। इस अवसर पर प्रधान आरक्षक दौलत वर्मा सहित बड़ी संख्या में वाहन मालिक, ड्राइवर एवं परिचालक उपस्थित रहे।

झुग्गी बस्तियों में मनाया जायेगा स्थापना दिवस अम्बेडकर जयंती पर किया जायेगा समरसता भोज का आयोजन

केंद्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाये- किरण देव

रायपुर/मूक पत्रिका

भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा झुग्गी झोपडी प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव जी की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दिनदयाल उपाध्याय जी व भारत माता के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर बैठक प्रारंभ की गई। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत कर प्रदेश पदाधिकारियों का परिचय किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता झुग्गी बस्तियों में जाकर पार्टी की मजबूती के लिए कार्य करें व सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बस्तियों में निवासरत अंतिम व्यक्ति तक पहुँचायें। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रकोष्ठ द्वारा विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम प्रदेश के पूरे जिले में सुने जाने पर प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की सराहना की। भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक संजू नारायण सिंह ठाकुर ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए, आगामी कार्यक्रम 06 अप्रैल भाजपा स्थापना दिवस एवं 14 अप्रैल डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती प्रकोष्ठ द्वारा झुग्गी बस्तियों में मनाए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा स्थापना दिवस प्रदेश के पूरे जिले में प्रकोष्ठ द्वारा मनाया जायेगा व अम्बेडकर जयंती के अवसर पर समरसता भोज का आयोजन किया जायेगा। बैठक में प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मारकण्डेय, रायपुर शहर जिला प्रभारी राजेश शर्मा, आकाश गुप्ता, विकास अग्रवाल, जितेन्द्र सुराना, राजेश यादव, पल्लवधर, शिव सोनपिपरे, साजन श्रीवास, कान्हाराज सिंह ठाकुर, कुशल चन्द्राकर, बृजेश अग्रवाल, सुरज ठाकुर, विजय गुप्ता, शारदा गुप्ता, सीमा ठाकुर, नागेन्द्र सिंह, अनिल बाघ, अशोक यादव, अजीत सेनापति आदि पदाधिकारी उपस्थित हुए। बैठक का संचालन प्रदेश सहसंयोजक जितेन्द्र सुराना व आभार व्यक्त प्रदेश सहसंयोजक राजेश यादव ने की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।